आषाढ़ शुक्ल पक्ष -5, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 20 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
10 जुलाई 2024 बुधवार

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
27 अधिकतम
23 न्यूनतम

Page- 7

मप्र कैबिनेट ने दी मंजूरी, ऑनलाइन हो जाएगी विधानसभा...

पेपरलेस विस के लिए अब प्रोजेक्ट ई-विधान, सरकार के लिए नया विमान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आज मोहन यादव सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार के बाद कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें विधानसभा को हाईटेक बनाने के लिए कैबिनेट में नेशनल ई-विधान प्रोजेक्ट के प्रस्ताव पर चर्चा हुई। इसके चलते अब करीब 23 करोड के खर्च से सभी काम विस में अब ऑनलाइन होंगे। ई विधान परियोजना की मंजूरी मिलने और उसके लागू होने के बाद विधानसभा में सदन की कार्यवाही के दौरान पूछे जाने वाले प्रश्न भी सभी सदस्यों को आनलाइन स्क्रीन पर नजर आएंगे। इसको लेकर संसदीय कार्य मंत्रालय, विधानसभा सचिवालय और संसदीय कार्य विभाग के बीच अनुबंध भी हो चुका है। कैबिनेट निर्णयों की जनकारी देते हुए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि इस परियोजना में 23 करोड़ से अधिक खर्च आ सकता है। इसके अलावा आज कैबिनेट ने नया विमान खरीदने का भी निर्णय लिया है। यह करीब 233 करोड रूपये का होगा और कनाडा की कंपनी से खरीदा जाएगा। दरअसल राज्य सरकार का विमान दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद सरकार के पास विमान की कमी हो गई थी।

आज मुख्यमंत्री मोहन यादव जबलपुर और उज्जैन संभाग के विधायकों के साथ बैठक करेंगे। सीएम ने विधायकों से विकास का रोड मैप मांगा है। इसके बाद भोपाल, नर्मदापुरम संभाग की बैठक होगी।

अमरवाड़ा में आज प्रतिष्ठा की जंग, जमकर हो रहा मतदान

भोपाल/छिंदवाडा, एजेंसी।

आज मप्र की अमरवाडा समेत समेत 7 राज्यों की तेरह विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हो रहा है। अमरवाड़ा उपचुनाव मप्र में भाजपा के पिछले प्रदर्शन और कांग्रेस के कमलनाथ फैक्टर के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण है। आज बारिश की आशंका के बीच वोटर सुबह ही वोट डालने के लिए वोटर घरों से निकल गये थे। दोपहर तक यहां करीब 44 फीसद मतदान हुआ है। पिछले विधान सभा चुनाव में यहां 82 प्रतिशत मतदान हुआ था और कांग्रेस उम्मीदवार कमलेश शाह जीते थे। इस बार वे भाजपा के उम्मीदवार हैं। कांग्रेस ने धीरेन शाह को उतारा है। खास बात यह है कि अमरवाडा शुरू से ही जमकर मतदान के मामले में अव्वल रहा है। यह आदिवासी बहुल इलाका है। इस सीट पर जीत के लिये भाजपा की तरफ से सीएम मोहन यादव, वीडी शर्मा समेत कई नेता ताकत झोंक चुके हैं। कांग्रेस की तरफ से कमलनाथ ने तीन दिन यहां डेरा डाला था। बाद में जीतू पटवारी,उमंग सिंघार,नकुलनाथ ने यहां प्रचार की कमान संभाली थी और आखिरी दिन तक ताकत झोंकी थी। इस चुनाव के परिणाम मप्र कांग्रेस के मौजूदा निजाम के लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं।

ड्राइवर की झपकी से गई 18 जान, भीषण सड़क हादसा

कानपुर, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के उन्नाव में आज सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। लखनऊ आगरा एक्सप्रेस वे पर तेज रफ्तार डबल डेकर बस ने दूध कंटेनर को पीछे से टक्कर मार दी। अब तक 18 यात्रियों की मौत हुई है। बस में 57 यात्री सवार थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी हादसे से दुख व्यक्त किया है। डीएम गौरांग राठी ने बताया, बस में लगभग 57 यात्री सवार थे। सभी को दिल्ली जाना था। 18 की मौत हुई है। 20 लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं। उन्हें दिल्ली भेजा जा रहा है। 6 घायलों को ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया है। जानकारी के मुताबिक, हादसा लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर बेहटा मुजावर क्षेत्र के गड़ा गांव के पास बुधवार सुबह 5.30 बजे हुआ। हादसे में एक बच्चे की भी मौत हुई है। बस बिहार के सीतामढ़ी से दिल्ली जा रही थी। चालक को झपकी आने से हादसा हुआ है। घटना की सूचना मिलने पर बेहटामुजावर थाना क्षेत्र के पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। सभी घायलों को बाहर निकालकर इलाज के लिए बांगरमऊ सीएचसी में भर्ती कराया। वहीं शवों के पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

बच्चों के भीख मांगने पर सख्त कोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा है कि राष्ट्रीय राजधानी में बच्चों द्वारा भीख मांगने की घटनाओं से निपटने के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 का प्रचार करें। बच्चों के भीख मांगने के खिलाफ एक जनहित याचिका पर विचार कर रही एक्टिंग चीफ जस्टिस मनमोहन और जस्टिस तुषार राव गेडेला वाली बेंच को दिल्ली सरकार ने बताया कि कोई भी व्यक्ति हेल्पलाइन पर ऐसी घटना की सूचना दे सकता है और इसके लिए एक सिस्टम बनाया गया है। सरकार ने बताया कि इस सिस्टम के तहत बच्चे को परामर्श दिया जाएगा और उसे उसके पैतृक घर या चाइल्ड केयर होम में भेजा जाएगा।

बच्चों की जानकारी जुटाने निकले अमले को मिले दो-दो पत्नियों वाले शिक्षक

डिंडोरी , एजेंसी।

मप्र के डिंडोरी जिले से एक अजब रिपोर्ट सुर्खी में हैं। टू चाइल्ड पॉलिसी के तहत तीन बच्चों वाले सरकारी कर्मियों की जानकारी जुटाने में जुटे अमले को यह चौंकाने वाली जानकारी मिल रही हैं। खबरों के मुताबिक पहली बार सरकार को दो पत्नियों वाले शिक्षकों की भी इसमें जानकारी मिली है। डिंडोरी के कुछ हिस्सों में सर्वे में आठ शिक्षक ऐसे मिले हैं, जिनकी दो पत्नियां हैं। कुल 29 शिक्षकों और कर्मचारियों की यह रिपोर्ट है। इनमें ऐसे शिक्षक भी हैं जो शराब पीकर बच्चों को पढ़ाने के लिए स्कूल आते हैं। कुछ बिना बताए गैरहाजिर भी रहते हैं। जांच के दौरान यह भी बात सामने आई कि एक शिक्षक पिछले 19 साल से गायब हैं। वह स्कूल ही नहीं आए हैं। इसके साथ ही कुछ ऐसे शिक्षक भी थे जो लगातार स्कूल से लापता ही मिलते हैं।तीन बच्चों वाले शिक्षकों की भी जानकारी सामने आई हैं। इस बारे में स्थानीय अफसरों का कहना है कि हम ऐसी सूची इसलिए तैयार करवा रहे हैं कि रिटायरमेंट के बाद पेंशन और अन्य चीजों को लेकर कोई विवाद नहीं हो। हमें जो सूची मिली है, उसकी जांच कराएंगे।

सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

धारा 125... मुस्लिम महिला भी पति से गुजारा भत्ता मांगने की हकदार

नई दिल्ली , एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा है कि मुस्लिम महिला भी सीआरपीसी की धारा 125 के तहत गुजारे भत्ते के लिए अपने पति के खिलाफ याचिका दायर कर सकती है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टिन गॉर्ज मसीह ने फैसला सुनाते हुए कहा कि मुस्लिम महिला भरण-पोषण के लिए कानूनी अधिकार का इस्तेमाल कर सकती हैं। कोर्ट ने कहा कि यह धारा सभी विवाहित महिलाओं पर लागू होती है, फिर चाहे उनका धर्म कुछ भी हो। हालांकि, जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने अलग-अलग फैसला सुनाया लेकिन दोनो की राय समान है। दरअसल, अब्दुल समद नाम के एक मुस्लिम

ने पत्नी को गुजार भत्ता देने के तेलंगाना हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। उसने दलील दी थी कि तलाकशुदा मुस्लिम महिला सीआरपीसी की धारा 125 के तहत याचिका दायर करने की हकदार नहीं है. महिला को मुस्लिम महिला अधिनियम, 1986 अधिनियम के प्रावधानों के तहत ही चलना होगा।

शेयर बाजार में कोहराम सेंसेक्स-निफ्टी धड़ाम

मुंबई , एजेंसी।

आज भारतीय शेयर बाजार में जमकर गिरावट से हाहाकार के हालात हैं तथा निवेशकों में बेचैनी है। बीते कारोबारी दिन जोरदार तेजी थी तथा बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 80,000 के स्तर के पार क्लोज हुआ था। मगर आज शेयर बाजार खुलने के कुछ ही मिनटों बाद सेंसेक्स धराशायी हो गया। हालांकि सेंसेक्स ने जैसे ही कारोबार शुरू किया तो अपना नया ऑल टाइम रिकॉर्ड लेवल छू लिया मगर अगले ही पल बिखरने लगा और 900 अंक से ज्यादा फिसल गया। यही हाल निफ्टी भी है। सेंसेक्स की तरह ही आज

निफ्टी भी बुरी तरह टूटा है। एनएसई इंडेक्स ने अपने पिछले बंद 24,433 की तुलना में तेजी के साथ 24,459.85 के लेवल पर कारोबार शुरू किया था और कुछ ही मिनटों में ये सेंसेक्स के कदम से कदम मिलते हुए धड़ाम हो गया। यह 1.04 फीसदी फिसलकर 24,180.25 के स्तर पर ट्रेड कर रहा था।

सिख फॉर जस्टिस पर शिकंजा पांच साल प्रतिबंध बढा

नई दिल्ली राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में संलिप्त होने के कारण केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सिख फ़ॉर जस्टिस पर पांच साल के लिए और प्रतिबंध बढ़ा दिया है। मंत्रालय ने इस संबंध में अधिसूचना भी जारी की है। इसमें कहा गया है कि देश की अखंडता और संप्रभुता पर अघात करने की वजह से इस संगठन के खिलाफ यह कार्रवाई की गई है। यह संगठन अलग खालिस्तानी राष्ट्र बनाने की दिशा में सक्रिय हो चुका है। यह संगठन लगातार राष्ट्र विरोधी गतिविधियों को अंजाम दे रहा है। 2019 में पहली बार सिख फॉर जस्टिस पर प्रतिबंध लगाया गया था।

आज का कार्टून

मेट्रो एंकर

मध्यप्रदेश में कांग्रेस कार्यकारिणी के गठन की जद्दोजहद निर्णायक मोड़ पर...

समावेशी फार्मूला व शादी-रेस के घोड़ों में फर्क की चुनौती

आशीष दुबे/ भोपाल

मप्र कांग्रेस की छह महीने से अटकी कार्यकारिणी का गठन करीब है, यदि कोई बड़ा पेंच नहीं आया तो कार्यकारिणी का ऐलान इसी महीने होगा। इसमें अध्यक्ष जीतू पटवारी के समक्ष अब 'शादी के घोड़े और मैदानी घोड़ों' के बीच फर्क करने का चैलेंज सबसे बड़ा है। माना जा रहा है कि कार्यकारिणी के लिए नए और पुराने चेहरों का मिश्रण तैयार किया जा रहा है। इनमें कुछ ऐसे भी पुराने चेहरे हैं जो लंबे अरसे से दरकिनार हैं। वहीं कुछ ऐसे पुराने चेहरे भी इस फार्मूले में फिट होने की जुगाड़ में हैं, जो लंबे समय से हर कार्यकारिणी में जगह पाते रहे हैं, हालांकि परफार्मेंस व गुटीय निष्ठा के मामले में इनमें से कईयों पर बड़े सवाल भी हैं।

दरअसल, कांग्रेस हाईकमान ने मप्र,छत्तीसगढ़ ओडिशा, हिमाचल, गुजरात और उत्तराखंड राज्यों की पीसीसी के आकार-प्रकार के लिए खास पैमाने तय किए हैं। क्योंकि इन्हीं राज्यों के कमजोर प्रदर्शन से कांग्रेस दिल्ली की रेस में चूकी है। लिहाजा राज्यों के प्रभारी महासचिव व सचिवों से एक ताजा रिपोर्ट मांगी गई हैं। एआईसीसी सूत्रों की मानें तो हाईकमान मप्र जैसे कुछ राज्यों में कड़े फैसले लेना चाहता है, इसमें गुटबाजी खत्म करना और असहयोग पर कड़ी नजर रखना शामिल है। अब हाईकमान की कसौटियों पर प्रदेश अध्यक्षों भी रहेंगे। निश्चित समयावधि में अध्यक्षों का भी आकलन होगा,ताकि बड़ा या कड़ा फैसला लिया जा सके। मप्र में पहले पृथ्वीराज चव्हाण वाली फैक्ट फाइंडिंग कमेटी फिर दो दिन का प्रभारी महासचिव का मैराथन मंथन इसी से जुडा है। खास यह कि इस मंथन में सभी नेताओं को एक जैसा 'प्लेटफार्म' दिया गया। यानि पंक्ति के बजाए गोल घेरा बनाकर अलग अलग टेबलों पर बैठाया गया और सभी से रायशुमारी की गई।

उल्लेखनीय है कि हाल में राहुल गांधी ने कहा है कि उनके पास फीडबैक है कि कांग्रेस ने रेस के घोड़े और शादी के घोड़े में फर्क करने में गलती की है। उनका इशारा संगठन में बड़े पदों और चुनाव में टिकट और अन्य बड़ी जिम्मेदारियों पर था। जहां तक मप्र का मामला है तो यहां सुरेश पचौरी और ज्योतिरादित्य सिंधिया गुट का दबाव नहीं बचा है, वहीं संगठन में बदलाव के बाद कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की भूमिका व दखल सीमित होने के संकेत हैं। अब जो नाम शामिल किये जा रहे हैं, उनका पार्टी में योगदान भी अध्यक्ष को रेखांकित करना होगा।

न जंबो टीम होगी न माइक्रो

जानकार बताते हैं कि मप्र कांग्रेस कार्यकारिणी को समावेशी रखने का फार्मूला तय हुआ है। यानि क्षमतावान चेहरों को बराबर तरजीह व जिम्मेदारी मिलेंगी। गुटों का तकाजा दूर रखा जाएगा। इस सिद्धांत पर कुछ पुराने व अनुभवी नेताओं की पीसीसी में वापसी पर भी विचार है। वहीं विधानसभा या लोकसभा चुनाव में बेहतर मैदानी क्षमता दिखाने वाले चेहरे भी तलाशे जा रहे हैं। एक सूत्र का कहना है कि कार्यकारिणी न तो जंबो रहेगी और न ही माइक्रो होगी। बल्कि संतुलित होगी।

कार्रवाई के बजाए क्लीनचिट क्यों, भड़की मायावती

लखनऊ । बसपा चीफ मायावती ने हाथरस भगदड़ मामले की इन्क्वायरी के लिए गठित विशेष जांच दल की रिपोर्ट पर सवाल उठाए हैं। मायावती ने एक्स पर लिखा है कि स्ढ्ड्ड की यह रिपोर्ट घटना की गंभीरता के हिसाब से नहीं है, बल्कि राजनीति से प्रेरित ज्यादा है। मुख्य आयोजक सूरजपाल उर्फ 'भोले बाबा' की भूमिका के बारे में एसआईटी की खामोशी भी चिंता का कारण है। सूरजपाल पर कड़ी कार्रवाई के बजाय उसे क्लीन चिट देने का प्रयास किया गया है।121 निर्दोष महिलाओं व बच्चों आदि की दर्दनाक मौत सरकारी लापरवाही का जीता-जागता प्रमाण है। मायावती ने कहा कि एसआईटी द्वारा सरकार को पेश रिपोर्ट घटना की गंभीरता के हिसाब से नहीं होकर राजनीति से प्रेरित ज्यादा लगती है, यह अति-दुःखद है।

अब 13 साल से कम उम्र के बच्चों को भी 9वीं में प्रवेश का रास्ता साफ

छात्रों की व्यवहारिक कठिनाई दूर की

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

छात्रों की कठिनाईयों को समझते हुए अब स्कूलों में नौवीं कक्षा में 13 साल से भी कम उम्र के विद्यार्थियों का प्रवेश देने का रास्ता साफ हो गया है। स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रदेश के हजारों विद्यार्थियों को नौवीं के नामांकन में उम्र के बंधन में छूट दे दी है। शासन ने पिछले साल के नियम लागू कर दिए हैं। यह नियम सिर्फ सत्र 2024-25 के लिए मान्य होंगे। इसके मुताबिक अब 13 वर्ष से कम उम्र के विद्यार्थियों का नौवीं में नामांकन हो सकेगा। पिछले साल भी माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिम) ने नौवीं में 13 वर्ष की उम्र का नियम

लागू किया था, जिसे राज्य शासन ने नियमों में शिथिलता देते हुए छूट दी थी।

दरअसल मप्र स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा पहली में प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु छह वर्ष की है। इसके अनुसार माशिम भी नौवीं के नामांकन में न्यूनतम आयु 13 वर्ष या उससे ज्यादा की है, लेकिन कई विद्यार्थी सरकारी स्कूलों में आठवीं तक निरंतर पढ़ते हुए वर्तमान में 12 साल उम्र तक के भी थे । वर्तमान में माशिम में नौवीं के नामांकन का कार्य चल रहा है। जिसमें एक अप्रैल की स्थिति में न्यूनतम आयु 13 वर्ष होना चाहिए। इससे हजारों की संख्या में विद्यार्थियों का अभी तक नामांकन नहीं हो पाया। मामले में माशिमं ने मप्र शासन व राज्य शिक्षा केंद्र को प्रवेश के नियम शासन को भेज दिए थे। जिसमें बताया गया है कि शासन ने पहली में प्रवेश की न्यूनतम आयु छह साल निर्धारित की है। इसके अनुसार मंडल में छह प्लस आठ यानि 14 साल की उम्र में नौवीं नामांकन हो रहा था। माशिमं ने पिछले वर्षों के नियम को देखते हुए नौवीं में नामांकन की न्यूनतम आयु 13 वर्ष की है। शासन द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि नौवीं में नमांकन पिछले साल के नियमों के आधार पर इस वर्ष सत्र 2024-25 में होंगे। यह नियम सिर्फ वर्तमान सत्र के लिए मान्य किए गए है।

नौवीं में नामांकन के लिए माशिम ने प्रवेश नीति जारी की, जिसमें 13 वर्ष की आयु से कम विद्यार्थियों को नौवीं में प्रवेश देने से मना कर दिया गया। उम्र के बंधन पर उठे विवाद पर लोक शिक्षण संचालनालय की आयुक्त की तरफ से राज्य शासन के पास प्रस्ताव गया।इस प्रस्ताव पर शासन ने नौवीं में नामांकन में उम्र के बंधन की छूट दी है।

रेलवे ने कहा-मुसाफिर पूछताछ के बाद यात्रा शुरू करें

पटरियों पर काम के चलते कई ट्रेनों का बदला रास्ता

परिवर्तित मार्ग वाया वसई रोड-सूरत-वडोदरा-रतलाम-भोपाल से जाएगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्य रेल के भुसावल मंडल के भुसावल-खंडवा खंड के बीच गेज परिवर्तन के चलते 19 यात्री ट्रेनों को परिवर्तित मार्ग से चलाने का निर्णय लिया गया है। सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि असुविधा से बचने के लिए रेलवे की अधिकृत पूछताछ सेवा एनटीईएस, 139 से ट्रेन की सही स्थिति की जानकारी लेकर ही यात्रियों को अपनी यात्रा प्रारंभ करना चाहिये। फिलहाल किये बदलाव के मुताबिक 11057 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-अमृतसर एक्सप्रेस 14 से 21 जुलाई तक प्रारंभिक स्टेशन से प्रस्थान कर अपने निर्धारित मार्ग के बजाय परिवर्तित मार्ग वाया वसई रोड-सूरत-वडोदरा-रतलाम-भोपाल होते हुए गंतव्य को जाएगी। 11058 अमृतसर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस एक्सप्रेस 14 से 21 जुलाई तक अपने प्रारंभिक स्टेशन से प्रस्थान कर परिवर्तित मार्ग वाया भोपाल-रतलाम-वडोदरा-सूरत-वसई रोड होते हुए गंतव्य को जाएगी।

- इसी प्रकार 12361 आसनसोल-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस एक्सप्रेस 21 जुलाई को इटारसी-नरखेड-बडनेरा-भुसावल जाएगी।
- 12485 नांदेड-श्रीगंगानगर एक्सप्रेस 22 जुलाई को परिवर्तित मार्ग वाया पूर्णा-अकोला-बडनेरा-नरखेड-इटारसी होते हुए जायेगी।
- 12618 निजामुद्दीन-एर्नाकुलम एक्सप्रेस 22 जुलाई को वाया इटारसी-नरखेड-बडनेरा-भुसावल होते हुए जाएगी।
- 12627 बैंगलोर-नयी दिल्ली एक्सप्रेस 21 जुलाई भुसावल-बडनेरा-नरखेड-इटारसी होते हुए जाएगी।
- 12715 नांदेड-अमृतसर एक्सप्रेस 22 जुलाई को वाया पूर्णा-अकोला-बडनेरा-नरखेड-इटारसी होते हुए जाएगी।
- 12753 नांदेड-निजामुद्दीन एक्सप्रेस 16 जुलाई को पूर्णा-अकोला-भुसावल-बडनेरा-नरखेड-इटारसी होते हुए गंतव्य को जाएगी।
- 12754 निजामुद्दीन-नांदेड एक्सप्रेस 17 जुलाई को इटारसी-नरखेड-बडनेरा-अकोला-परभणी होते हुए जाएगी।
- 12782 निजामुद्दीन-मैसूर एक्सप्रेस 22 जुलाई को इटारसी-नरखेड-बडनेरा-भुसावल होते जाएगी।
- 17019 हिसार-हैदराबाद एक्सप्रेस 16 जुलाई को रतलाम-वडोदरा-सूरत-जलगांव होते हुए व 17020 हैदराबाद-हिसार एक्सप्रेस 20 जुलाई को जलगांव-सूरत-वडोदरा-रतलाम होते हुए जाएगी।
- 19435 अहमदाबाद-आसनसोल एक्सप्रेस 18 जुलाई को वाया वसई रोड-सूरत-वडोदरा-रतलाम-भोपाल होते और 19436 आसनसोल-अहमदाबाद एक्सप्रेस 20 जुलाई को प्रारंभिक स्टेशन से वाया भोपाल-रतलाम-वडोदरा-सूरत-वसई रोड होते हुए गंतव्य को जाएगी।
- 19483 अहमदाबाद-बरोनी एक्सप्रेस 15 से 22 जुलाई तक वाया सूरत-वडोदरा-रतलाम-भोपाल होते हुए तथा 19484 बरोनी-अहमदाबाद एक्सप्रेस 14 से 20 जुलाई तक भोपाल-रतलाम-वडोदरा-सूरत होते हुए जाएगी।
- 20104 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस 21 जुलाई को इटारसी-नरखेड-बडनेरा-भुसावल होते हुए गंतव्य को जाएगी।

ग्वालियर से ट्रेन से बुलाया, कोई नहीं आया लेने

12 क्विंटल मावा जब्त, जांच के लिए भेजे सैंपल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मावा की मांग को पूरा करने के लिये ग्वालियर से मंगाया गया 40 क्विंटल मावा शक के दायरे में है। यह ट्रेन से भोपाल लाया गया। इसमें से 12 क्विंटल मावा को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने बजरिया स्थित जीबी कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल के सामने से जब्त कर लिया। यह मावा व्यापारियों को सप्लाई किया जा रहा था। जानकारी के मुताबिक द्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के अफसरों ने मावा तब पकड़ा, जब रेलवे स्टेशन से मावा व्यापारियों को डिलीवरी देने के लिए ले जाया जा रहा था। अमले ने पकड़े गए मावा के सैंपल लिए हैं। इन्हें जांच के लिए स्ट्रीट फूड लैबोरेट्री भेजा जाएगा। वहीं, भोपाल रेलवे स्टेशन परिसर स्थित जीआरपी थाने के बाहर रखे 28 क्विंटल मावा की जांच के लिए रेलवे के फूड सेफ्टी ऑफिसर को ग्वालियर से भोपाल सप्लाई हुए मावा की जानकारी दी है। खाद्य सुरक्षा एवं प्रशासन अमले ने ग्वालियर से आए मावा की सैंपलिंग की कार्रवाई तड़के 5 बजे शुरू की थी। खाद्य सुरक्षा अधिकारीके मुताबिक पकड़े गए मावा को क्लेम करने के लिए अभी तक भोपाल का कोई व्यापारी सामने नहीं आया है। इस वजह से मावा और उसे सप्लाई करने के लिए तैनात किए लोडिंग ऑटो को रोका गया है। पकड़े गए मावे की डिलीवरी लेने वाले व्यापारियों के सामने आने पर संबंधित मावे का सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा जाएगा।

अब कॉलेजों में नया ड्रेस कोड, पीएमश्री एक्सीलेंस कॉलेज से होगी शुरुआत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के कॉलेजों में छात्र-छात्राओं के लिए ड्रेस कोड लागू होने जा रहा है। उच्च शिक्षा विभाग ने इसके लिए तैयारी शुरू कर दी है। इसकी शुरुआत पीएमश्री एक्सीलेंस कॉलेजों से होगी, जिनमें इसी शिक्षा सत्र से ड्रेस कोड लागू किया जा सकता है। बाद में यह व्यवस्था अन्य कालेजों में भी अपनाई जाएगी। इस संदर्भ में विभिन्न वर्गों की राय लेते हुए सहमति बनाने के प्रयास चल रहे हैं। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने इस बात की जानकारी दी।

इसी सत्र से होगी शुरुआत: उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने कहा कि जब देश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की गई तब इसे लागू करने में मध्य प्रदेश अग्रणी राज्यों में रहा है। इसी के परिप्रेक्ष्य में हमने प्रदेश के 55 जिला केंद्रों में उत्कृष्ट महाविद्यालय स्थापित

करने का निर्णय लिया है। 14 जुलाई को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इंदौर से इसका शुभारंभ करेंगे। मंत्री परमार ने आगे कहा कि गणवेश को लेकर विचार चल रहा है, हम आने वाले समय में एक सहमति बनाकर गणवेश लागू करने की कोशिश करेंगे। सब बातों को ध्यान में रखते हुए हम एक आदर्श ड्रेस कोड लागू करेंगे जिससे किसी वर्ग को उससे आपत्ति न हो।

बाहरी तत्वों पर लगेगा अंकुश: उन्होंने कहा कि हम समाज के सभी वर्गों, विद्यार्थियों के साथ कॉलेज में सकारात्मक वातावरण बनाते हुए कॉलेज की पहचान, समानता बताते हुए और उन कॉलेज में जो बाहर के तत्व आते हैं उनपर अंकुश लगाते हुए हम ड्रेस कोड लागू करेंगे। मुझे उम्मीद है कि सभी की इसपर सहमति होगी और एक सकारात्मक परिणाम आएगा।।

एक हजार बच्चों ने की हनुमानजी की स्तुति

संस्कार में संगीतमय चालीसा पाठ की परंपरा

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संस्कार विद्यालय में हर मंगलवार को प्रार्थना सभा में संगीतमय हनुमान चालीसा का पाठ प्रारम्भ किया था। इसी कड़ी में आज मंगलवार को मुख्य अतिथि भाजपा नेता कैलाश मिश्रा, संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी बच्चों के साथ चालीसा पाठ किया।

एक हजार बच्चों ने स्वरबद्ध हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस अवसर चेलानी ने कहा कि विद्यालय में हनुमान चालीसा का पाठ प्रत्येक मंगलवार को होता है और हम प्रत्येक महीने में चार से पांच बार हनुमान जी का नाम लेते है। वासवानी ने कहा कि संस्कार स्कूल का प्रांगण हर मंगलवार को श्रीराम भक्त हनुमानजी की वंदना करता है।

अतिथि कैलाश मिश्रा ने कहा कि हनुमानजी का आशीर्वाद और कृपा हम

सब पर इसी तरह बनी रहे। शायद भोपाल के अन्दर ये पहला स्कूल होगा जहां हर मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ होता है। हनुमान जी बल और बुद्धि के देवता है। उनका पाठ करने से बल एवं बुद्धि का विकास होता है।

मेट्रो एंकर

मिठी और नवनिध में अग्नि सुरक्षा सत्र

छात्र- छात्राओं ने जाना कैसे बुझाते हैं आग

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

शहीद हेमू कालाणी एज्युकेशन सोसायटी द्वारा संचालित मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल एवं नवनिध गर्ल्स स्कूल में अग्नि सुरक्षा सत्र के आयोजन किए गए। अलग-अलग कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और कर्मचारियों को अग्नि सुरक्षा के महत्व, आग को रोकने के उपाय विशेषज्ञों ने बताए।

कार्यक्रमों में अग्नि सुरक्षा विशेषज्ञ शक्ति कुमार तिवारी ने अग्नि सुरक्षा का महत्व, स्कूलों में आग लगने के सामान्य कारण, अग्नि सुरक्षा नियमों और मानकों का अवलोकन किया। उन्होंने ने व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया। जहाँ उन्होंने अग्निशामक यंत्र के उपयोग का प्रदर्शन किया और एक

अभ्यास सत्र भी दिया। । कार्यक्रमों में स्टूडेंट्स को संभावित अग्नि खतरों और आग को रोकने में सतर्कता के महत्व के बारे में बेहतर समझ प्राप्त हुई, साथ ही उन्होंने और कर्मचारियों ने अग्निशामक यंत्रों और अन्य सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करना भी सीखा। विद्यार्थियों और कर्मचारियों ने सत्र के बाद अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि वे अग्नि संबंधित आपात स्थिति का जवाब देने की अपनी क्षमता में अधिक आत्मविश्वास महसूस करते हैं। सुधार के लिए दिए गए सुझावों में लगातार व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र, विज्ञान प्रयोगशालाओं और अन्य विशेष क्षेत्रों में अग्नि सुरक्षा पर अतिरिक्त ध्यान देना सम्मिलित रहा। मिठी के प्राचार्य अजय बहादुर सिंह एवं नवनिध की प्राचार्या अमृता मोटवानी ने कहा कि अग्नि सुरक्षा उपाय सत्र हमारे स्कूल समुदाय की सुरक्षा और तैयारी को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम रहा है। अग्नि सुरक्षा शिक्षा को प्राथमिकता देना और अपने अभ्यासों को नियमित रूप से अपडेट करना जारी रखते हुए, हम सभी के लिए एक सुरक्षित शिक्षण वातावरण सुनिश्चित कर सकते हैं। कार्यक्रम में कोर्डिनेटर्स, शिक्षक-शिक्षिकाएँ, ऑफिस स्टॉफ एवं छात्रगण उपस्थित रहे।

नवनिध की छात्राओं ने पौधे रोपे लिया हरियाली का संकल्प

हिरदाराम नगर। नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने पौधारोपण किया। साथ ही 'अपने आस-पास को हरा-भरा बनाओ, अपने जीवन को सुंदर बनाओ।' का संदेश दिया। संस्था द्वारा हर साल बारिश में पौधारोपण अभियान चलाया जाता है। संत सिद्धभाऊजी विद्यार्थियों को एलोवेरा एवं तुलसी के पौधे उपहार में देते हैं। उसी कड़ी में नवनिध की छात्राओं ने अपने घरों व उद्यानों में नए-नए पौधे रोपित कर पर्यावरण को स्वच्छ बनाने का संकल्प लिया। र्यक्रम में संस्था के सचिव घनश्याम बूलचंदानी, प्राचार्य अमृता मोटवानी, उप्राचार्य रेखा केवलानी, कोऑर्डिनेटर्स एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कर प्रकृति के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन किया।

सीएम की अफसरों को दो टूक

विधायकों के साथ समन्वय बनाकर चलें

पांच साल के विकास के रोडमैप पर चर्चा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने संभागवार भाजपा विधायकों से चर्चा कर विकास कार्य के साथ ही नौकरशाही को जनप्रतिननिधियों के साथ समन्वय का पाठ पढाना शुरू किया है। इसी कड़ी की दूसरी बैठक में बीती रात रीवा और शहडोल संभाग के विधायकों के साथ मुख्यमंत्री ने बैठक की। इस मौके पर दोनों सभांग के मैदानी व प्रभारी पुलिस प्रशासन अफसर मौजूद थे। संभाग के विधायकों से मुख्यमंत्री ने पांच साल का अपने क्षेत्र का विकास का रोडमैप देने को कहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायक एक योजनाबद्ध तरीके से काम करें और समयसीमा में लोगों की अपेक्षाओं को पूरा करें। मुख्यमंत्री निवास पर अफसरों की मौजूदगी में हुई इस बैठक में उन्होंने कहा, अफसर क्षेत्रीय विधायकों से समन्वय बना कर रखें और विकास के कार्यों में उनकी राय जरूर लें। बैठक में विधायकों ने अब तक विकास कार्यों के लिए उनके द्वारा किए गए प्रयासों और उसमें आ रहीं कठिनाइयों के बारे में भी बताया। सामूहिक रूप से हुई इस बैठक में सीएम ने एक-एक विधायक से उनके क्षेत्र की राजनीतिक परिस्थितियों और लोकसभा चुनाव के अनुभव के बारे में भी बात की। मुख्यमंत्री इसके पूर्व ग्वालियर, चंबल और सागर संभाग के जनप्रतिनिधियों के साथ इस तरह की बैठक कर चुके हैं। वे आज जबलपुर और उज्जैन संभाग के विधायकों से चर्चा करेंगे। इसके बाद भोपाल और नर्मदापुरम और सबसे अंत में इंदौर संभाग के विधायकों से मुख्यमंत्री की चर्चा होगी। बैठक के दौरान कुछ विधायक पांच बार के सांसद गणेश सिंह का पत्र लेकर आए, जिसमें उचेहरा का रेलवे फाटक बंद होने से स्थानीय लोगों को हो रही परेशानी का जिक्र है। गणेश सिंह ने इस पत्र में लिखा है कि रेलवे और राज्य सरकार के बीच समन्वय नहीं होने से यह रेलवे फाटक बंद हो गया है।

'उमंग' से 21 लाख छात्र-छात्राओं को जोड़ा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्कूल शिक्षा विभाग समग्र शिक्षा अभियान, माध्यमिक शिक्षा और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संयुक्त रूप से मिलकर उमंग स्कूल हेल्थ एवं वैलनेस कार्यक्रम समस्त हाई एवं हाई सेकेन्डरी स्कूलों में संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम से छात्र-छात्राओं में जीवन कौशल को विकसित करना ताकि वे अपने लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त कर सकें और बेहतर स्वास्थ्य के लिये उचित निर्णय ले सकें। यह कार्यक्रम प्रदेश के 9 हजार 306 विद्यालयों में संचालित हो रहा है और इसका फायदा 21 लाख छात्र-छात्राओं को मिल रहा है। उमंग कार्यक्रम के बेहतर क्रियान्वयन के लिये 52 राज्य स्तरीय, जिलास्तर पर 427 और प्रत्येक स्कूल में 2 शिक्षकों को आरोग्य दूत बनाया गया है।

विभागों के कार्यालय शिफ्ट करने का मोहन सरकार का पहला बड़ा निर्णय

धार्मिक न्यास व मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का डायरेक्टोरेट ऑफिस उज्जैन में लगेगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो। धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के दो डायरेक्टोरेट कार्यालय उज्जैन से संचालित होंगे। सरकार ने दोनों कार्यालयों को शिफ्ट करने संबंधी आदेश जारी कर दिए हैं। इसकी घोषणा पहले ही की जा चुकी थी। यह मोहन सरकार का विभाग शिफ्ट करने से जुड़ा पहला बड़ा निर्णय है।

सरकार ने इसके फायदे भी सोचे हैं, जिसको देखते हुए ये दोनों कार्यालय उज्जैन शिफ्ट किए गए। सरकार का मानना है कि वर्ष 2028 में सिंहस्थ है, जो उज्जैन समेत देशभर का बड़ा धार्मिक आयोजन होता है। उक्त् विभाग के दोनों ही डायरेक्टेट कार्यालय धर्म-कर्म से सीधे ताल्लुक रखते हैं, जिनके अफसरों का उज्जैन में होना अनिवार्य है। हालांकि लोगों के मुताबिक यह व्यवस्था यदि स्थाई रहती है तो इसके नुकसान भी हो सकते हैं। जानकारों के मुताबिक विभाग के प्रमुख सचिव भोपाल में ही बैठते हैं, जो आगे भी बैठते रहेंगे। ऐसे में मुख्य-मुख्य फाइलों को भोपाल ही लाना होगा। इनके लिए अलग व्यक्ति का इंतजाम करना होगा। इसमें समय भी लगेगा, इस तरह जो काम एक दिन में हो सकता था उसे एक से अधिक दिन लग सकते हैं। यही नहीं, फाइलों को एक से दूसरे शहरों में ले जाने के लिए आवागमन पर खर्च भी होगा। सरकार के निर्णय की बड़ी बात यह है कि दोनों डायरेक्टोरेट कार्यालय में पदस्थ अधिकारी, कर्मचारियों को भी उज्जैन में ही सेवाएं देनी होगी। जिसमें से कुछ की मुश्किलें बढ़ना तय है।

नौरादेही रिजर्व से बाघ गायब, शिकार की आशंका

वन्यप्राणी विशेषज्ञ अजय दुबे की शिकायत पर जांच के आदेश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नौरादेही अर्थात-वीरांगाना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व से बाघ गायब है, कुछ के शिकार होने की आशंका है। यहां बाघों से जुड़े रिकार्ड में भी छेड़छाड़ गई है। वन विभाग ने इन सभी मामलों की जांच के आदेश दिए है। बुधवार से जांच शुरू कर दी गई है। रिपोर्ट 7 दिन में वन मुख्यालय को भेजी जानी है।

यह है मामला- वन्यप्राणी विशेषज्ञ अजय दुबे ने मप्र के वन बल प्रमुख असीम श्रीवास्तव को एक शिकायत की है। 27 जून को की गई उक्त शिकायत में उन्होंने नामजद दावे किए हैं कि बाघ, बाघिन और उनके कुछ शावक गायब है। इनमें से बाघिन एन-112 व एन-113 का हवाला भी दिया है। यह भी आरोप लगाए कि ये 2021 से ही गायब है। यहां तक आरोप लगाए कि बाघिन एन-111 को रिकार्ड बदलकर एन-112 बता दिया गया है, जो कि गंभीर लापरवाही है। अजय दुबे ने आरोप लगाए कि रिजर्व में लकड़ी की अवैध कटाई की जा रही है। आसपास के क्षेत्रों में जमीन खरीदने वालों से ईको सेंसिटव जोन के नाम पर एनओसी देने के बदले मोटी रकम ली जा रही है। इन आरोपों का पत्र उन्होंने पीसीसीसीएफ वाइल्डलाइफ को भी भेजा है। शिकायत के बाद वन विभाग ने पोल खुलती देख जांच के आदेश जारी कर 7 दिन में नौरादेही रिजर्व के उप संचालक से जवाब रिपोर्ट मांगी है। एपीसीसीएफ समीता राजौरा ने जांच करने संबंधी आदेश मंगलवार को किए।

मुलाकात

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश सह-प्रभारी सतीश उपाध्याय ने केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह से दिल्ली में सौजन्य भेंट कर आभार व्यक्त किया। इस दौरान संगठन को गति देने के विषयों पर चर्चा हुई।

अब सारथी और वाहन अटके, आरटीओ सर्वर में फिर उभरी तकनीकी बाधा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आरटीओ संबंधी कार्य बार-बार किसी न किसी वजह से लगातार अटक रहे हैं। अब वजह बनी है एनआइसी का पोर्टल परिवहन सारथी और वाहन। यह बार बार अटक जाता है। इससे कभी ड्राइविंग लाइसेंस के आनलाइन आवेदन अटक जाते हैं तो कभी वाहनों के पंजीयन की प्रक्रिया नहीं होती है। वाहन डीलरों की ओर से पंजीयनों की फाइल आरटीओ भेज जाती हैं, लेकिन यहां पर पंजीयन कार्ड नहीं बन पाते हैं।हाल ही में आरटीओ में लाइसेंस व पंजीयन कार्ड के प्रिंट का काम देख रही स्मार्टचिप कंपनी ने टेंडर नवीनीकरण नहीं होने से काम बंद कर दिया था। इससे आरटीओ काम नहीं हुए थे। इसी तरह फिटनेस के कार्य भी प्रभावित होते हैं।

बीते तीन महीनों से निरंतर यह समस्या बनी हुई है। आरटीओ में हर दिन एक हजार से अधिक लोग परमानेंट ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने, वाहनों के पंजीयन, परमिट, फिटनेस, वाहनों के स्थानांतरण सहित अन्य कार्य नहीं

होते हैं। जब लोग आरटीओ में सर्वर डाउन व बंद हो जाने की शिकायत करते हैं तो जवाब मिलता है कि परिवहन सारथी व वाहन-चार के एनआइसी के हैं, इसलिए एनआइसी के अधिकारी ही बता पाएंगे। सबसे अधिक समस्या सोमवार को आती है, जब शनिवार व रविवार को अवकाश होने के बाद एक साथ कई लोग आरटीओ लोग पहुंचते हैं।

कांग्रेस ने चुनाव आयोग से की शिकायत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कांग्रेस ने चुनाव आयोग से सीएम मोहन यादव की शिकायत की है और कहा है कि सीएम ने पहले कांग्रेस छोड़कर भाजपा जॉइन करने वाले रामनिवास रावत को मंत्री बनाया, फिर अमरवाड़ा में चुनाव प्रचार करने पहुंचे। इससे उन्होंने अमरवाड़ा से भाजपा उम्मीदवार कमलेश शाह को मंत्री बनाने का संदेश दिया है। कांग्रेस का आरोप है कि यह मतदाताओं को लुभाने की कोशिश है। ऐसे में सीएम मोहन यादव के विरुद्ध आचार संहिता उल्लंघन की शिकायत दर्ज की जानी चाहिए। वहीं पलटवार करते हुए भाजपा ने कहा, कांग्रेस के पास शिकायत करने के अलावा कुछ नहीं बचा है। वह अस्तित्व के लिए जूझ रही है।

एमबीबीएस-बीडीएस काउंसिलिंग में अब दूसरे चरण में भी मिलेगा मौका

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों व डेंटल कॉलेजों में एमबीबीएस एवं बीडीएस कोर्स में प्रवेश के लिए काउंसलिंग इसी माह शुरू होने की उम्मीद है। इसके लिए चिकित्सा शिक्षा संचालनालय ने अभ्यर्थियों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। पहले चरण में आवंटित सीट पर प्रवेश नहीं लेने वाले अभ्यर्थियों को भी अब दूसरे चरण में अवसर मिल सकेगा। अभी तक उन्हें अपात्र कर दिया जाता था। जबकि पंजीयन में संशोधन का अवसर भी उन्हें एक बार दिया जाएगा, जो अभी तक नहीं मिलता था। पंजीयन में कोई गलती हो गई तो वह प्रवेश प्रक्रिया से बाहर हो जाते थे। इसके अतिरिक्त नई व्यवस्था यह की गई है कि मापअप चरण के पहले भी एक बार पंजीयन का अवसर दिया जाएगा।हाल में प्रवेश नियम जारी हुए हैं। यही नियम एमडी-एमएस और एमडीएस काउंसलिंग में भी लागू होंगे। यह व्यवस्था भी की गई है कि विभिन्न श्रेणी में बाकी रहने वाली रिक्तियों को भरने के लिए दूसरे

महत्वपूर्ण बदलाव

की जगह अब पात्र श्रेणी में परिवर्तित किया जाएगा। नियम यह है कि अनुसूचित जाति (एससी) की सीटें बचने पर अनुसूचित जनजाति (एसटी) से भरी जाती हैं। इसी प्रकार एसटी की सीटें बचने पर एससी से भरने का नियम है। दोनों श्रेणी के उम्मीदवार नहीं मिलने पर इन्हें ओबीसी श्रेणी से भरा जाता है। इसी तरह से ओबीसी अभ्यर्थी नहीं मिलने पर अनारक्षित श्रेणी से भरने का नियम है।

मेट्रो एंकर | प्रावधानित और प्रगतिरत् निर्माण कार्यों की समीक्षा

उप-मुख्यमंत्री शुक्ल बोले- समय-सीमा में गुणवत्ता से निर्माण कार्यों को पूर्ण करें

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

उप-मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने मंत्रालय में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग वित्तीय वर्ष 2024-25 के वित्तीय प्रावधान अनुसार और प्रगतिरत निर्माण कार्यों की कार्य योजना की वृहद् समीक्षा की। उन्होंने मेडिकल कॉलेज, स्वास्थ्य संस्थानों, नर्सिंग कॉलेज एवं अन्य स्वास्थ्य संस्थानों के नवीन निर्माण कार्यों के साथ उन्नयन एवं सुदृढ़ीकरण के विभिन्न चरणों की भी समीक्षा की। उप-मुख्यमंत्री शुक्ल ने निर्देश दिये कि समस्त गतिविधियों को समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाये। उप-मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि औपचारिकताओं की कमी से कार्य में विलंब नहीं होना चाहिए।

3 हजार 555 निर्माण कार्य प्रावधानित और प्रगतिः उप-मुख्यमंत्री ने केंद्र से समन्वय वाले आवश्यक विषयों को रेखांकित करने के लिए कहा ताकि केंद्र स्तर से चर्चा कर उनका शीघ्र निराकरण किया जा सके। वर्तमान में स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग अन्तर्गत 3 हज़ार 555 निर्माण कार्य प्रावधानित और प्रगतिरत हैं। इनमें स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा 2 हज़ार 782, म.प्र. भवन विकास निगम द्वारा 72, लोक निर्माण विभाग द्वारा 17, म.प्र. हाउसिंग बोर्ड द्वारा 263, पीआईयू द्वारा 385, म.प्र. पुलिस हाउसिंग द्वारा 34, ब्रिज एंड रूफ द्वारा 2 निर्माण कार्य किये जा रहे हैं।

समय-सीमा में भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करें: उप-मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में पदों की भर्ती प्रक्रिया की प्रगति समीक्षा की और समय-सीमा में भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। बैठक में अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मो. सुलेमान, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विवेक कुमार पोरवाल, एम.डी. एनएचएम प्रियंका दास, आयुक्त चिकित्सा शिक्षा तरुण पिथोड़े, अपर सचिव चिकित्सा शिक्षा पंकज जैन सहित निर्माण विभाग के प्रतिनिधि और विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

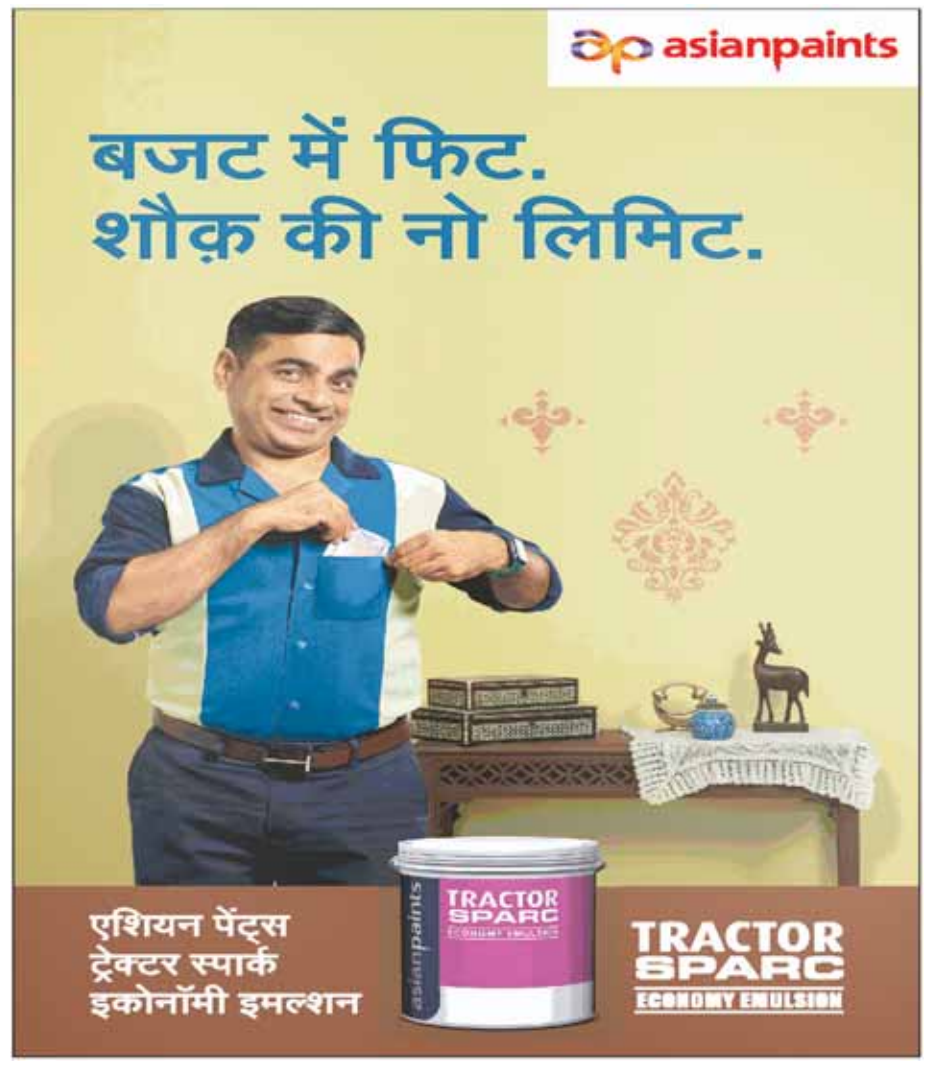

संपादकीय

आबादी के आंकड़ों के बिना योजनाओं के पहाड़

देश की जनगणना को लेकर सियाी तौर पर कइ्राई सवाल व बवाल हैं। हर दस वर्ष में होने वाली जनगणना इस बार करीब चार वर्ष पिछड़ चुकी है लिहाजा नई सरकार के समक्ष लंबित कई प्राथमिकताओं में से एक यह भी है कि हर दशक होने वाली जनगणना को तत्काल अंजाम दिया जाए। दशकीय जनगणना 2021 में होनी थी मगर तब कोविड महामारी के कारण इसे अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया था। अब महामारी का असर न्यूनतम हुए भी दो वर्ष से अधिक समय बीत चुका है लेकिन जनगणना के मोर्चे पर कोई प्रगति होती नहीं दिख रही है। जनगणना के पहले राज्यों को जिलों, तहसीलों और कस्बों आदि की प्रशासनिक सीमाओं को बंद करने का आदेश दिया जाता है लेकिन इसे नौ बार टाला जा चुका है। ताजा जानकारी के मुताबिक जनगणना कराने को लेकर अब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। जनकल्याण और मुफ्त उपहारों को लेकर सार्वजनिक तौर पर जबरदस्त बहसों तथा जाति जनगणना की मांगों के बीच यह अस्वाभाविक ही है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार ने इस महत्वपूर्ण काम को प्राथमिकता नहीं दी जबकि 150 सालों में पहली बार यह काम स्थगित हुआ, वह भी बिना किसी स्पष्ट समय सीमा के। चूंकि ताजा जनगणना डिजिटल रूप में होनी है और इसमें आंकड़ों को इलेक्ट्रॉनिक स्वरूप में भरना है इसलिए इसे अंजाम देना उतना कठिन और समय खपाऊ नहीं होगा जितना कि अतीत में होता रहा है। दुनिया के सबसे बड़े चुनावों के इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से होने के बाद डिजिटल जनगणना से भारत की सूचना प्रौद्योगिकी शक्ति की प्रतिष्ठा और बढ़ेगी। इसके बजाय भारत फिलहाल उन 120 देशों में शामिल है जिन्होंने महामारी का हवाला देकर जनगणना की कवायद को रोक रखा है। कई अन्य देशों मसलन चीन, बांग्लादेश और नेपाल ने महामारी के दौरान भी जनगणना की है। भारत उन 44 देशों में शामिल है जिन्होंने अब तक जनगणना नहीं की है। ऐसा करने वाले अन्य देशों में यमन, यूक्रेन, श्रीलंका, म्यांमार, अफगानिस्तान तथा सब-सहारा अफ्रीका के देश शामिल हैं जो किसी न किसी तरह के संकट से जूझ रहे हैं। जनगणना जैसी गहन कवायद भारत जैसे आर्थिक और सांस्कृतिक विविधता वाले देश में ज्यादा जरूरी है। विडंबना है कि भारत सरकार के पास आबादी को लेकर कोई नई आधिकारिक जानकारी नहीं है। भारत की आधिकारिक आबादी अभी भी 1.2 अरब है। जबकि संयुक्त राष्ट्र के आंक?ों के अनुसार भारत की आबादी चीन से अधिक हो चुकी है और 1.4 अरब लोगों के साथ हम दुनिया में सबसे बड़ी आबादी वाले देश बन चुके हैं। चूकि अहम राष्ट्रीय सर्वेक्षण मसलन खपत सर्वे, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे, खाद्य सुरक्षा अधिनियम की कवरेज, प्रवासन के रुझान की समझ आदि जनगणना के ताजा आंकड़ों पर निर्भर करते हैं। लिहाजा बेहतर होगा कि सरकार स्पष्ट बताए कि जनगणना की योजना कब है। उसे यह भी बताना चाहिए कि क्या अगली जनगणना का समय इससे प्रभावित होगा? यह महत्त्वपूर्ण है क्योंकि अन्य चीजों के साथ परिसीमन और संसद तथा राज्य विधानसभाओं में महिला आरक्षण का क्रियान्वयन भी 2026 के बाद होने जनगणना पर निर्भर है। चूंकि सरकार के पास आबादी को लेकर कोई नया या ठोस आंकडा नहीं है इससे यह भी संभव हो सकता कि सरकारों के स्तर पर बड़ी तादाद में घोषित व संचालित की जा रहीं कल्याण योजना गलत ढंग से लक्षित हों, उनकी फंडिंग अपर्याप्त अथवा अनावश्यक हो, यदि यह स्थिति है तो ज्यादा नुकसानदेह है।

नए कानून बनाना सही दिशा में एक कदम लेकिन अनसुलझे मुद्दों पर भी बात हो

■ **प्रकाश सिंह**

औपनिवेशिक दौर के प्रमुख आपराधिक कानूनों-भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और साक्ष्य अधिनियम-की जगह लागू तीन नए कानून यानी भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) के तहत देश के विभिन्न हिस्सों में मामले दर्ज होना शुरू भी हो गए हैं। नए कानूनों में एफआईआर, जांच एवं सुनवाई के लिए अनिवार्य समय-सीमा तय कर दी गई है। अब लोग बिना थाना गए ही ऑनलाइन एफआईआर दर्ज करा सकते हैं। देश के किसी भी थाने में जीरो एफआईआर दर्ज हो सकेगी। नए बीएनएस में नए अपराधों को शामिल किया गया है, जैसे-विवाह का वादा करके धोखा देने पर 10 साल तक की जेल, नस्ल, जाति-समुदाय, लिंग के आधार पर मॉब लिंचिंग मामले में आजीवन जेल तथा छीन-झपट के लिए तीन साल की जेल। यूएपीए जैसे आतंकवाद-रोधी कानूनों को भी इसमें शामिल किया गया है।औपनिवेशिक विरासत को खत्म करना और कानूनों को वर्तमान समय के अनुरूप बनाने का यह ऐतिहासिक कदम प्रशंसनीय है, पर कुछ मुद्दे ऐसे हैं, जो अब भी अनसुलझे हैं। औपनिवेशिक काल के कानूनों में 1162 धाराएं थीं, जबकि नए कानूनों में 1059 धाराएं हैं। जाहिर है, अब कानून प्रवर्तन एजेंसियों को 2,221 धाराओं से जूझना होगा। बीएनएस जैसे मूल कानून को पहले दर्ज किए गए मामलों पर लागू नहीं किया जा सकता, इसलिए नए कानून के लागू होने से पहले के अपराधों को आईपीसी (भादंसं) के तहत निपटाया जाएगा, जबकि नए आपराधिक कानून लागू होने के बाद किए गए अपराधों को बीएनएस के तहत निपटाया जाएगा। हालांकि बीएनएसएस एवं बीएसए जैसे प्रक्रियागत कानूनों को पहले दर्ज किए गए मामलों पर लागू किया जा सकता है। ऐसे में न्यायालय में उन सभी मामलों में विवाद होने की आशंका है, जो नए कानून के लागू होने से पहले दर्ज किए गए थे, लेकिन उनमें नए प्रक्रियात्मक कानून को लागू किया जाएगा। तीनों प्रमुख कानूनों में अलग-अलग राज्यों द्वारा अलग-अलग समय पर संशोधन किए गए हैं। मसलन, सीआरपीसी की धारा 357 (मुआवजा देने के आदेश से संबंधित) में आंध्र प्रदेश, बिहार, गोवा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल की सरकारों द्वारा संशोधन किए गए। पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न राज्यों द्वारा ऐसे कई संशोधन किए गए। ये संशोधन राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित और लागू किए गए, क्योंकि राज्य की विशेष जरूरतों के लिए ऐसा करना जरूरी पाया गया। नए लागू किए गए कानूनों में राज्यों द्वारा किए गए संशोधनों को शामिल नहीं किया गया है। कई गैर-भाजपा शासित राज्यों ने जब इन नए कानूनों का विरोध किया, तो केंद्र सरकार के अधिकारियों ने कहा है कि राज्य सरकारें सुरक्षा संहिता में अपनी ओर से संशोधन करने को स्वतंत्र हैं। नए कानून में गैर-कानूनी कृत्य और आतंकवादी कृत्य की परिभाषा एवं दंड को बीएनएस के दायरे में लाया गया है। तीन वर्ष से सात वर्ष के बीच कारावास की सजा वाले मामलों में प्रारंभिक जांच का प्रावधान समस्याओं का पिटारा खोल देगा, जहां पुलिस जांच करने से इन्कार कर सकती है, जिससे जनता में असंतोष पैदा होगा। बीएनएसएस की धारा 173(3) में कई अस्पष्टताएं हैं। इस बात की आशंका है कि इससे व्यापक भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा, कानूनी बिरादरी की तरफ से भी सवाल उठाए जा रहे हैं कि जब वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये अदालत की सुनवाई होगी, तो बचाव पक्ष के वकील, जो अदालत में गवाहों से पूछताछ करेंगे, वे उस आरोपी के सीधे संपर्क में नहीं रह पाएंगे, जिसका वे प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। बीएनएसएस कानून के तहत कई प्रगतिशील प्रक्रियाओं के लिए डिजिटल तकनीक अनिवार्य है, जैसे तलाशी की वीडियोग्राफी और ई-कोर्ट कार्यवाही। जबकि अभी थानों, जांच अधिकारियों, अदालतों और जेलों में अब भी आवश्यक बुनियादी ढांचे, उपकरण और प्रशिक्षण उपलब्ध नहीं हैं। इसके लिए बड़े पैमाने पर डिजिटलीकरण, प्रणालियों और प्रोटोकॉल का विकास, विशेष तकनीकी कर्मचारियों की भर्ती और प्रशिक्षण जरूरी हैं। ऐसे में ई-कोर्ट कार्यवाही और इलेक्ट्रॉनिक समन जैसे बीएनएसएस के प्रावधानों को लागू करना एक बड़ी चुनौती होगी। इसके अलावा, कई राज्यों में पुलिसकर्मियों को नए कानूनों के बारे में पूरी तरह से प्रशिक्षित नहीं किया गया है। इससे उन्हें नए कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू करने में बाधा आएगी और प्रक्रियागत देरी तथा कानूनी जटिलताएं पैदा हो सकती हैं। ऐसी खबरें भी आई हैं कि नए मामले दर्ज करने में पुलिसकर्मियों के पसीने छूट रहे हैं। अपराध एवं अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क एवं सिस्टम तथा आईसीजेएस के साथ इसके इंटरफेस को भी नए कानूनों के अनुरूप अपडेट नहीं किया गया है, जिससे परिचालन एवं तकनीकी संबंधी गंभीर चुनौतियां पैदा हो रही हैं। जांच के लिए फोरेंसिक साक्ष्य जुटाने को अनिवार्य करना स्वागतयोग्य है और विभिन्न जांच प्रक्रियाओं में ऑडियो-वीडियो इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों तथा इलेक्ट्रॉनिक संचार को मंजूरी देना एक सकारात्मक कदम है। लेकिन प्रशिक्षण के अभाव में इन प्रक्रियाओं को अगर गलत तरीके से निष्पादित किया गया, तो अपराधी दोषमुक्त हो सकते हैं। नए कानून बनाना सही दिशा में एक कदम है, मगर अफसोस केवल इसका है कि इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए जिस गहन चिंतन व व्यापक विमर्श की आवश्यकता थी, जो नहीं किया गया। इंडियन पुलिस फाउंडेशन जैसी संस्था को भी पार्लियामेंट्री कमिटी के सामने पेश होने का समय नहीं मिला। विरोधी दलों को यह शिकायत है कि जब उनके अधिकांश सदस्य सदन से निलंबित थे, उस समय इन्हें संसद में पारित किया गया। यह भी एक विरोधाभास है कि हमने क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम के तीन बड़े कानून तो बदल दिए, परंतु पुलिस ऐक्ट, 1861 अब भी देश की जनता के गले की फांस बना हुआ है। नेशनल पुलिस कमीशन ने इसे बदलने की सिफारिश की थी, परंतु अभी तक यह कानून जैसे का तैसा बना हुआ है। नए कानून को लागू करने के लिए जो इंफ्रास्ट्रक्चर चाहिए, वह अभी उपलब्ध नहीं है। पुलिसकर्मियों को ट्रेनिंग देने के बारे में बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, यह कहां तक सही है, यह तो समय ही बताएगा। संक्षेप में, सही दिशा में एक ठोस कदम उठाया गया है, परंतु जल्दबाजी में।

– साभारः यह लेखक के विचार हैं।

निशाना

खूब हो रही बैठक !

– कृष्णेन्द्र राय

चिंतन मंथन चल रहा ।
हो कैसे सुधार ?
रूठ गई है जनता ।
ना करती उपकार ।।
कायाकल्प हो पुनः ।
है ऐसा प्रयास ।।
जनता को नहीं आया पर ।
कार्यशैली रास ।।
खूब हो रही बैठक ।
नहीं निकलता हल ।।
ले रहे संकल्प ।
उत्तम करना कल ।।
कहां हो रही ग़लती ।
नहीं समझ ये आया ।।
है लेकिन ये सत्य ।
हो रहा सफाया ।।

आज का इतिहास

- 1989 जापान के एनालॉग शहर में दुनिया का पहला एचडीटीवी प्रसारण शुरू किया गया।
- 2006 पाकिस्तान दा विंची कोड फिल्म पर प्रतिबंध लगाता है क्योंकि इसमें यीशु के बारे में निन्दात्मक सामग्री शामिल है। दा विंची कोड एक 2006 अमेरिकी रहस्य-थ्रिलर फिल्म है, जो जॉन केली और ब्रायन ग्रेजर द्वारा निर्मित और रॉन हॉवर्ड द्वारा निर्देशित है। पटकथा अकिवा गोल्डस्मैन द्वारा लिखी गई थी और डैन ब्राउन के 2003 में इसी नाम के सबसे अधिक बिकने वाले उपन्यास से अनुकूलित की गई थी। फिल्म में टॉम हैंक्स, ऑड्रे टुटौ, इयान मैककेलेन, अल्फ्रेड मोलिना, जुरगेन प्रांचो, जीन रेनो और पॉल बेट्टनी जैसे कलाकार हैं।
- 2007 म्यांमार और लाओस सीमाओं के पास दक्षिणी चीन में 6.4 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे लोग हताहत हुए।
- 2008 चीन राष्ट्रीय पेट्रोलियम निगम नाइजर में तेल का उत्पादन करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर करता है। चाइना नेशनल पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन एक चीनी राज्य के स्वामित्व वाली तेल और गैस निगम और चीन की सबसे बड़ी एकीकृत ऊर्जा कंपनी है। इसका मुख्यालय डोंगचेंग जिला, बीजिंग में है। पेट्रो चाइना की जनक है, जो जुलाई 2014 तक राजस्व के मामले में दुनिया की चौथी सबसे बड़ी कंपनी है।
- 2009 अमेरिकी लेखिका मर्लिन रॉबिन्सन ने अपने उपन्यास होम के लिए फिक्शन के लिए ऑरेंज पुरस्कार जीता। मर्लिन सुमेर रॉबिन्सन एक अमेरिकी उपन्यासकार और निबंधकार हैं। उन्हें 2005 में फिक्शन के लिए पुलित्जर पुरस्कार और 2012 के राष्ट्रीय मानविकी पदक सहित कई पुरस्कार मिल चुके हैं।

एक समय में एक काम करो , और ऐसा करते समय अपनी पूरी आत्मा उसमे डाल दो और बाकी सब कुछ भूल जाओ

ड्रोन आधारित युद्ध में भारतीय सेना ने पीएलए की बढ़त को कम किया, अब इन्हें स्पष्ट दृष्टिकोण जरूरी

■ **ले.जन. एच.एस. पनाग (रिटा.)**

चीन ने भारतीय सीमा पर 1959 की अपनी दावा रेखा को मजबूत करने के लिए 2020 में जो उपक्रम किए और उनके फलस्वरूप हुए टकराव में दोनों देशों ने सीमा पर सेनाओं का जो भारी जमावड़ा किया उसके बाद मैंने दो लेख लिखे थे. इन लेखों में अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी की मदद से आक्रामक कार्रवाई कर रही चीनी सेना 'पीपुल्स लिबरेशन आर्मी' (पीएलए) को रोकने में भारतीय सेना की कमजोरियों को रेखांकित किया था. पिछले चार सालों में इस काबिलियत खासकर ड्रोनों में काफी प्रगति हुई है। शायद ही कोई ऐसा दिन बीतता होगा जब सेनाओं में तरह-तरह के ड्रोनों को शामिल किए जाने की खबर न आती हो. अडाणी, टाटा, रिलायंस कॉर्पोरेट समूहों समेत बड़ी संख्या में छोटे-मझोले उपक्रम और स्टार्ट-अप तक सेना के लिए ड्रोन बनाने की होड़ में शामिल हो गए हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत 2030 तक ड्रोन उत्पादन के मामले में ग्लोबल हब बन सकता है. कुछ अनुमानों के अनुसार, 2,000 से लेकर 2,500 ड्रोन सेना में शामिल किए जा चुके हैं और काफी और लाइन में हैं. ड्रोन उनके कल-पुर्जों के उत्पादन और रखरखाव के करारों के मदों में करीब 3,000 से लेकर 3,500 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं. यह सब सेनाओं को दिए गए आपात तथा विशेष वित्तीय अधिकारों के तहत किया गया है। तो क्या हमारी सेना ने कम-से-कम मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) के मामले में पीएलए की बराबरी कर ली हैड़ संख्या के मामले में अंतर को तो कम कर ही लिया गया है, लेकिन सेना की ताकत बड़ाने की व्यवस्था के लिहाज़ से हम अभी उससे मीलों पीछे हैं। क्षा मंत्रालय और सेनाओं ने सभी तरह के यूएवी को आयात की नकारात्मक सूची में शामिल करके अच्छा ही किया है. इसका अर्थ यह हुआ कि यूएवी का उत्पादन देश के अंदर ही 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत किया जाएगा. वैसे, 'एमक्यू-9बी सी/स्काइ गार्डियन' जैसे यूएवी को इस सूची से अलग रखा जाएगा. लेकिन, भारतीय ड्रोन उद्योग जल्दी ही इस सीमा को भी पार कर लेगा. अडाणी डिफेंस सिस्टम्स थलसेना और नौसेना से ठेके हासिल करने के बाद मल्टी पे-लोड वाले मझोली ऊंचाई पर उड़ने वाले 'हर्मीस 900', या 'दृष्टि-10' यूएवी का उत्पादन कर रही है और मजा यह कि यह कंपनी इन्हें इज़रायल को वापस निर्यात कर रही है।

सेनाओं ने जरूरतों की फेहरिस्त जारी कर दी है. इसने निजी उद्योगों को सक्रिय कर दिया है और वे विदेशी पार्टनरों को बुलाने में तेज़ी भी दिखा रहे हैं. 'डीआरडीओ' अपनी टेक्नोलॉजी हस्तांतरित करके निजी क्षेत्र के साथ सहयोग कर रहा है. रक्षा मंत्रालय की पहल 'इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सिलेंस' (आइडेक्स) के लाभ भी हासिल होने लगे हैं।अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) के मामले में सरकारी और निजी क्षेत्र के निवेश के बिना विश्व स्तरीय ड्रोनों का उत्पादन नहीं किया जा सकता. केंद्र सरकार इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सिलेंस, प्रतिरक्षा अधिग्रहण नीति की 'मेक' प्रक्रिया, और आर्मी डिज़ाइन ब्यूरो जैसी व्यवस्थाओं का 'आर एंड डी' फंड के लिए इस्तेमाल कर सकती है. हर एक प्रोजेक्ट के लिए सेना को अपने मिशन की स्पष्ट घोषणा करनी चाहिए। अब तक मुख्यतः सामान्य मकसद वाले ड्रोन सेना के इस्तेमाल में लिए गए हैं, जो सेना की वेपन सिस्टम जितनी मजबूत/भरोसेमंद नहीं हैं. सेना के ड्रोन सभी मौसम में दिन और रात में भी काम करने वाले होने चाहिए जो अपेक्षित ऊंचाई तक उड़ान भर सकें और उनमें जवाबी कार्रवाई करने वाली इलेक्ट्रोनिक व्यवस्था हो और उनका 'लो सिग्नेचर' हो यानी उनकी पहचान मुश्किल हो।

'जनरल स्टाफ क्वालिटेटिव रिक्वायमेंट (जीएसक्यूआर) वो आधार है जिसके मुताबिक, ड्रोन काम करते हैं. वज़न, रेंज, उड़ान भरने का तरीका, उड़ान की ऊंचाई की सीमा और मजबूती के अलावा ड्रोन का 'पे-लोड' (वजन ढोने की क्षमता) भी महत्व रखता है. ड्रोन पर लगे कैमरे से उसकी तस्वीरों की स्पष्टता, रेंज, दिन/रात/ थर्मल पहचान की क्षमता तय होती है. टैंकों और दूसरे बख्तरबंद वाहनों के लिए उच्च विस्फोटक क्षमता वाले टैंक-रोधी वारहेड की ज़रूरत होती है. खरीदे गए 20 फीसदी ड्रोन हथियारबंद होते हैं, लेकिन मेरे हिसाब से किसी पर वारहेड नहीं लगा है। सेना द्वारा खरीदे गए 95 फीसदी ड्रोनों में जवाबी कार्रवाई करने वाली इलेक्ट्रोनिक किट नहीं लगी है. ये ड्रोन आधुनिक युद्ध में डट नहीं पाएंगे या नाकाम कर दिए जाएंगे. इस समस्या का हम एलएसी के आसपास सामना कर रहे हैं. ज़रूरत इस बात की है कि सेना विभिन्न तरह के ड्रोनों के लिए 'जीएसक्यूआर' का मोटामोटी निर्धारण करे ताकि कमांड क्षेत्र की ज़रूरत और कम लागत वाली खोज के मुताबिक, लचीला रुख अपना सके।फिलहाल सभी सामरिक ड्रोन आर्मी कमांडरों के विशेष वित्तीय अधिकारों और वाइस चीफ चीफ ऑफ द आर्मी स्टाफ (वीसीओएएस) के आपात वित्तीय अधिकारों के तहत खरीदे जा रहे हैं. शीघ्र अधिग्रहण के लिए यह तेज़ प्रक्रिया उपयुक्त है और इसका लाभ उठाया गया है, लेकिन इसके चलते मानकों में गिरावट, कीमत में अंतर, भंडार में वृद्धि, रखरखाव के महंगे करार, रातोरात उगी कंपनियों द्वारा शोषण आदि के मामले होते हैं।

लंबी रेंज वाले सामरिक और रणनीतिक उपयोग के हथियारबंद या बिना हथियार वाले ड्रोनों की केंद्रीय खरीद 'डिफेंस प्रोक्योरमेंट' या 'वीसीओएएस' के आपात अधिकारों के तहत करना उपयुक्त होगा. युद्ध में नये प्रयोग के लिए कम रेंज वाले ड्रोन और किट्स की खरीद आर्मी कमांडरों के विशेष वित्तीय अधिकारों के तहत जारी रखी जा सकती है. गुणवत्ता और मजबूती से समझौता करते हुए सबसे नीची बोली लगाने वाले को चुनने की सरकारी नीति की समीक्षा होनी चाहिए। सेना में रणनीतिक या ऑपरेशन के मकसद पूरे करने वाले हेरोन, हर्मीस और नये एमक्यू-9बी स्काई गार्डियन ड्रोन का उपयोग आर्मी एविएशन कोर कर रहा है. भारतीय वायुसेना और नौसेना में पूरी संभावना है कि विशेषज्ञ संगठन और कर्मी हैं जो मिशनों के रणनीतिक तथा ऑपरेशन संबंधी ज़रूरतों के हिसाब से ड्रोनों का प्रयोग कर रहे हैं. सामरिक उपयोग दोहरी भूमिका निभाने वाले सैनिक करते हैं. यह कामचलाऊ व्यवस्था ड्ड्यादातर मजबूरी में लागू की जाती है जब जारी ऑपरेशन के दौरान टेक्नोलॉजी की कमी की तुरंत भरपाई की कोशिश की जाती है।

अधिकतम उपयोग और नियंत्रण के लिए देर-सवेर, विशेषज्ञता हासिल कर चुकी सब-यूनिटों और यूनिटों के गठन की ज़रूरत पड़ेगी. पिछले दो साल से लड़ रहे यूक्रेन ने दोहरी भूमिका वाले सैनिकों के साथ ड्रोनों का भरपूर और सफल इस्तेमाल किया है और अब उसने सभी स्तर पर ड्रोनों का उपयोग करने वाले स्पेशलिस्ट कोर का गठन किया है. इनमें करीबी युद्ध में इस्तेमाल होने वाले बहुत कम रेंज वाले ड्रोन शामिल नहीं हैं. अधिकतर आधुनिक सेनाओं में यूनिट के स्तर पर, संयुक्त आर्म्स ब्रिगेड, डिवीजन या एकीकृत बैटल ग्रुप के स्तर पर ड्रोन सब-यूनिट हैं जो विशेष रेंज वाले ड्रोनों का संचालन करती हैं. दोहरी भूमिका वाले सैनिक काफी कम रेंज वाले युद्धक ड्रोनों का लगभग वेपन सिस्टम की तरह इस्तेमाल करते हैं। सेना की यूनिटें सभी सामरिक ड्रोनों का फिलहाल अपनी ज़रूरत के हिसाब से एकल रूप में इस्तेमाल कर रही हैं. स्थिति के बारे में सजगता और सूचना का प्रवाह स्टाफ के कई चरणों वाले चैनलों के जरिए होता है. 'आर्मी इन्फोर्मेशन ऐंड डिसीजन सपोर्ट सिस्टम' (एआइडीएसएस) की सख्त ज़रूरत है जिसके साथ सब-सिस्टम्स के लिए विभिन्न स्तर पर इंटरफेस लागू किया जाए जो ऑपरेशन और मैनेजमेंट के स्तर की इन्फोर्मेशन सिस्टम्स का एकीकरण करे. फिलहाल इस तरह का सिस्टम बनाने काम प्रगति पर है. 'एआइडीएसएस' के बिना ड्रोनों की पूरी क्षमता का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

– साभारः यह लेखक के विचार हैं।

टैगोर स्कूल में बेटियों के नाम से किया गया पौधारोपण

सिवनी मालवा। नवांकुर संस्था लक्ष्मी समाज कल्याण समिति सिवनी मालवा सेक्टर क्रमांक 05 बासनीयां कलां द्वारा टैगोर स्कूल में 9 जुलाई को बेटियों के नाम से पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर कई फलदार पौधे लगाए गए जिसमे आंवला, चीकू, जाम, अशोक, नींबू का पौधारोपण किया गया। पौधारोपण में टैगोर स्कूल प्राचार्य श्रीमती दीपाली अवस्थी , स्कूल संचालक प्रवीण कुमार अवस्थी ब्लॉक समन्वयक हरिदास दायमा, लक्ष्मी समाज कल्याण संस्था अध्यक्ष श्रीमती सुगना लौवंशी, राजेश सराठे, संध्या राठौर, बीएसडब्ल्यू की छात्रा काजल सहित सभी छात्र - छात्राएं उपस्थित थे।

शिकायत के आधार पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने किया मनोहर श्री रेस्टोरेंट का निरीक्षण

नर्मदापुरम। जिला प्रशासन के निर्देशन में एवं शिकायत के आधार पर 09 जुलाई को खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश दियावार एवं दल ने मनोहर श्री रेस्टोरेंट का पुनः निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न प्रकार के अनियमितता पाए जाने पर एवं खुले में खाद्य सामग्री विक्रय होने के कारण नोटिस प्रदान किया एवम बने हुए पोहे का नमूना जांच हेतु लिया गया। मनोहरश्री रेस्टोरेंट पर पहले भी कार्यवाही कर सुधार हेतु कहा गया था परंतु सुधार न होने के कारण पुनः कार्यवाही की गई। साथ ही विक्रेता का लाईसेंस निलंबन की कार्यवाही की जा रही है। नमूने जांच हेतु प्रयोगशाला भेजे जा रहे है जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर अग्रिम कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी।

ताजियों को लेकर हुई शांति समिति की मीटिंग

सिवनी मालवा। ताजियों का पर्व मनाया जाने को लेकर स्थानीय थाना परिसर में एसडीएम सरोज सिंह परिहार और एसडीओपी राजू रजक की उपस्थिति में शांति समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में एसडीएम सरोज सिंह परिहार में ताजी आधारों से ताजिए निकालने के मार्गों की जानकारी लेते हुए पूछा कि मार्ग में कहीं कोई परेशानी हो तो प्रशासन और पुलिस को पहले जानकारी दें ताकि उसका समाधान किया जा सके। एसडीओपी राजू रजक ने सभी से कहा कि सिवनी मालवा में परम्परागत तरीके से सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्यौहारों को मनाने सिलसिला चला आ रहा हैं। जो आगे भी चलता रहेगा।

अधिवक्ता परिहार बने एमपीईवी में विधायक प्रतिनिधि

इटारसी। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष व विधायक डॉ सीताशरन शर्मा ने अधिवक्ता देवेंद्र सिंह परिहार को मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया है। मंगलवार को विधायक डॉ सीताशरन शर्मा ने नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे और आरटीओ विधायक प्रतिनिधि अभिषेक कनौजिया की उपस्थिति में देवेंद्र सिंह परिहार को नियुक्ति पत्र दिया। अब परिहार विधायक शर्मा की अनुपस्थिति में आवश्यक स्थान पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएंगे। वहीं, अपनी नियुक्ति पर अधिवक्ता देवेंद्र परिहार ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा उन्हें जो दायित्व दिया गया है उस पर वह पूरी तरह से खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि विधायक की ओर से किए जाने वाले कार्यों और उपभोक्ताओं की बिजली संबंधी समस्याओं को बिजली अधिकारियों के साथ मिलकर हल करने का कार्य किया जाएगा।

किसान संघ ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

मूंग खरीदी को लेकर नाराजगी किसान संघ का धरना प्रदर्शन

सिवनी मालवा/नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

मूंग खरीदी को लेकर भारतीय किसान संघ का अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन कलेक्ट्रेट पीपल चौक पर लगातार जारी है। आज जिले के पदाधिकारी सहित इटारसी एवं नर्मदा पुरम के तहसील स्तरीय पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता धरने पर बैठे और उन्होंने शासन की किसान विरोधी नीतियों के विरोध में सद्बुद्धि यज्ञ का आयोजन किया। किसानों का शोषण बंद करो आदि नारे गूंजते रहे। संघ का कहना है कि जिले के किसानों का आक्रोश निरंतर बढ़ता जा रहा है। किसानों की मांग है की

ग्रीष्मकालीन मूंग उपार्जन नीति 2024 में आ रही समस्याओं को लेकर एक ज्ञापन सौंप कर चर्चा कि गई। जिसमे मांग की गई की1- शासन द्वारा वर्तमान में ग्रीष्मकालीन मूंग के समर्थन मूल्य पर खरीदी के आदेश जारी किए हैं जिसमें पिछले वर्ष शासन द्वारा प्रति हेक्टेयर 16 कुंटल खरीदी की गई थी वही इस वर्ष इसे हटाकर 8 कुंटल प्रति हेक्टेयर कर दिया गया है जिसे गत वर्ष की तरह 16 कुंटल प्रति हेक्टेयर के अनुसार ही खरीदी की जाए।

ग्रीष्मकालीन मूंग की खरीदी प्लेट कांटो (बड़े कांटो) से ही की जावे जिस तरह से व्यापारी एवं वेयरहाउस मालिकों की उपज का तौल बड़े कांटे से किया जावे।

प्रत्येक किसानों से प्रतिदिन 25 कुंटल खरीदी को बढ़ाकर 40 कुंटल प्रतिदिन किया जावे। जिसे किसानों को बार-बार खरीदी केंद्र पर आना ना पड़ेगा। जिससे किसान की अतिरिक्त खर्च में भी बचत होगी।

सरकार ने यदि किसानों के हित में तत्काल निर्णय

नहीं लिया तो आंदोलन धीरे-धीरे उग्र रूप धारण करेगा। आज धरना स्थल पर मिसरोद के किसानों ने संगठन को अवगत करवाया कि स्थानीय स्तर पर भी किसान प्रशासनिक आक्रांताओं का शिकार है, उन्हें भवन बनाने के लिए यदि डायवर्सन करवाना हो तो अनेक प्रशासनिक अड़ंगे डाले जा रहे हैं और उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है। स्थानीय एसडीएम कार्यालय में प्रशासनिक अराजकता व्याप्त है, वही किसान संघ की मंत्रणा समिति में आज शासन से मांग की गई है कि मूंग खरीदी सीजन में भारी भ्रष्टाचार को दृष्टिगत रखते हुए जिला स्तर पर अस्थाई रूप से लोकायुक्त कार्यालय की स्थापना की जाये।

आज के धरना कार्यक्रम में संभागीय संगठन मंत्री दिनेश शर्मा, प्रांतीय सदस्य सूरज बली जाट, जिला अध्यक्ष देवेंद्र पटेल के साथ ही ललित सिंह चौहान, हरीश वर्मा,सुभाष साध, खुमान सिंह, विनोद चौरे, प्रेम नारायण पटेल, श्यामशरण तिवारी,लाला पटेल, रामेश्वर चौरे,मोर सिंह राजपूत, जगदीश कुशवाहा, श्याम किशोर लवंशी श्री राम दुबे,रूप सिंह राजपूत, रतिराम यदुवंशी विनोद चौरे, भागीरथ साहू,चंद्रशेखर पाल,अजय यादव आदि कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी संघ ने भी किया समर्थन

आज भारतीय किसान संघ के धरना स्थल पर आंगनवाड़ी सहायिका संघ की प्रदेश अध्यक्ष सुमित्रा देवी अहिरवार ने आकर किसान संघ की आंदोलन को अपना पूर्ण समर्थन अपने संगठन की ओर से व्यक्त करते हुए किसानों के हक की इस लड़ाई में आंगनवाड़ी सहायिका संघ द्वारा कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग करने का आश्वासन दिया। उनका कहना है कि हम लोग भी कहीं ना कहीं किसान है अथवा किसान परिवार से जुड़े हुए हैं।

देश विदेश के साइक्लिस्ट ने तय किया 200 किलोमीटर का सफर

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड एवं जिला प्रशासन के द्वारा साइकिल सफारी के सहयोग से टूर.डी सतपुड़ा 2024 का आयोजन 05 जुलाई से किया गया था। जिसमें देश एवं विदेश के 16 साइक्लिस्ट छिंदवाड़ा और नर्मदापुरम जिले में 200 किलोमीटर का रोमांचक सफर तय किया। छिंदवाड़ा से शुरू होने वाली सफारी पचमढ़ी में समाप्?त हुई। सभी सायक्लिस्ट को प्राकृतिक सौंदर्य के बीच चुनौतीपूर्ण चढ़ाई का सामना किया। सतपुड़ा पर्वत श्रृंखलाओं के मनोरम गंतव्यों के अलावा उन्हें ग्रामीण जीवन व संस्कृति को देखने का मौका भी मिला।

प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति विभाग और प्रबंध संचालक मप्र टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि टूर.डी सतपुड़ा के माध्यम से प्रदेश की आफबीट डेस्टिनेशन्स में मौजूद सुंदर परिदृश्य, वन्य जीवन और सांस्कृतिक विरासत से अवगत कराना चाहते हैं। साइकिल सफारी के

आयोजन का उद्देश्य मध्यप्रदेश को एडवेंचर टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने के साथ ही क्षेत्र के समग्र विकास को बढ़ावा देना है। छिंदवाड़ा, पातालकोट, तामिया, पचमढ़ी को साइक्लिंग कम्युनिटी के मध्य लोकप्रिय भी बनाना है।जिससे इस मार्ग पर नियमित रूप से साइक्लिंग गतिविधि संचालित हो सके। टूरिज्म बोर्ड के ज्वाइंट डायरेक्टर डॉ एस के श्रीवास्तव ने बताया कि सभी प्रतिभागी 04 जुलाई को कैंप में पहुंचे जहां उनकी ब्रिफिंग हुई।

पुलिस की सर्तकता से शहर में चोरी की बड़ी वारदात असफल चोर को पुलिस ने धरदबोचा

इटारसी। सिटी पुलिस की रात्रि गश्त टीम ने तिलक मार्केट में चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम देने के पूर्व ही चोर को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस की सर्तकता के कारण शहर में चोरी की बड़ी घटना टल गई।समय रहते चोर को सिटी पुलिस नही पकड़ती तो आरोपी बाजार क्षेत्र में चोरी की बड़ी घटना को अंजाम देकर फरार हो जाता।

इस सबंध में टीआई गौरव सिंह बुंदेला ने बताया की न्यास कालोनी निवासी मोहित पिता नंदकिशोर मेहरा की तिलक मार्केट में दुकान है।बीती रात अज्ञात चोर ने दुकान के ताले तोड़कर चोरी का प्रयास किया।लेकिन पुलिस की रात्रि गश्त की वजह से आरोपी दुकान में चोरी की घटना को अंजाम नही दे सका।और पुलिस वाहन की आवाज सुनकर मौके से फरार हो गया।फरियादी मोहित की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ थाने में चोरी के प्रयास करने का मामला दर्ज किया।

कचरे की प्रोसेसिंग में बेहतर प्रबंधन एवं मशीनरी का उपयोग हो

नर्मदापुरम। मंगलवार को कलेक्टर सोनिया मीना ने खोजनपुर ट्रेंचिंग ग्राउंड का निरीक्षण किया। वहां उपस्थित चयनित कंपनी के कर्मचारी से ट्रेंचिग ग्राउंड पर कचरे के उचित प्रबंधन एवं उसको विंड रौस करने के लिए की जा रही कार्यवाही के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने उक्त कंपनी को तय समय सीमा के भीतर कचरे की प्रोसेसिंग की कार्यवाही करने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने कहा है कि अगर जरूरत पड़ती है तो अधिक मशीनरी एवं श्रमिको की मात्रा को बढ़ा कर उक्त कार्य करे। कलेक्टर ने कहा है कि कचरा प्रबंधन शहर का प्रमुख मुद्दा है। इसमें किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए। समय पर काम नहीं होने की स्थिति में नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी एवं ज़रूरत पड़ने पर टेंडर निरस्त भी किए जा सकते हैं। निरीक्षण के दौरान डिप्टी कलेक्टर असवन राम चिरामन, मुख्य नगर पालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले, एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

शासकीय आवास में अवैध रूप से रह रहे

शासकीय आवास पर कब्जा करने वालो को हटाने के निर्देश: संभागायुक्त

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

नर्मदापुरम संभागायुक्त केजी तिवारी ने समय सीमा की बैठक में लोक निर्माण विभाग के मुख्य कार्यपालन यंत्री को निर्देश दिए कि वे शासकीय आवास में अवैध रूप से रहने वाले एवं कब्जा न छोड़ने वाले व्यक्तियों पर नियम अनुसार सख्त कार्रवाई करें। संभागायुक्त ने कहा कि शासकीय आवास में अवैध रूप से कब्जा करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। कमिश्नर पुल के मकान में भी पता लगाने के निर्देश दिए की कोई अधिकारी यह कर्मचारी अवैध रूप से तो शासकीय आवास में नहीं रह रहा है।

उल्लेखनीय है कि समय सीमा की बैठक में बताया गया था कि शासकीय आवास में रिटायरमेंट के बाद भी कुछ लोग कब्जा करके रह रहे हैं और आवास खाली नहीं कर रहे हैं, और ना ही आवास का किराया दे रहे हैं। संभागायुक्त ने ऐसे लोगों पर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए और कहां की किराया कर्मचारी की पेंशन से वसूला जाए और रिटायरमेंट के समय एनओसी देने से पहले यह सुनिश्चित किया जाए की उस अधिकारी या कर्मचारी का शासकीय आवास में कब्जा तो नहीं है। उन्होंने जनजाति कार्य विभाग , स्वास्थ्य विभाग के आवासो की भी पड़ताल करने के निर्देश दिए.संभागायुक्त ने निर्देश दिए की समाचार पत्रों में यदि जिले से संबंधित कोई शिकायत या समस्या प्रकाशित होती है तो उसको प्रॉपर रिस्पांस दिया जाए। संबंधित अधिकारी द्वारा उस शिकायत या समस्या की जांच अवश्य की जाए। उन्होंने कहा कि कमिश्नर कार्यालय को मेल से भी यदि कोई शिकायत कर रहा है तो उसकी भी जांच कर समस्या का निराकरण किया जाए।

उन्होंने सभी संभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि यदि उनके पास एक से अधिक जिलों का चार्ज है , तो वे नर्मदा पुरम में रुकने का तिथि अवश्य बताएं। उन्होंने सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को समय पर कार्यालय आने के लिए निर्देश जारी किया और कहां की सभी विभाग फेस आईडी सिस्टम मशीन लगाए और मशीन पर अपने फेस अटेंडेंस दें । उन्होंने कहा कि जहां सार्थक एप कार्य कर रहा है वहां सार्थक ऐप से अटेंडेंस लिया जाए।

संभागायुक्त ने बताया कि सविनय सुशासन अभियान आगामी शनिवार को प्रातः 6 बजे से शुरू किया जाएगा । इस अभियान के तहत सभी अधिकारी श्रमदान करेंगे, कहीं कचरा डंप है तो उसकी सफाई करेंगे और परिसर को स्वच्छ बनाएंगे। जिस स्कूल में टीचर नहीं आते हैं वहां पर अधिकारी पढ़ाएंगे , उन्होंने कहा कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की यह जिम्मेदारी होगी कि सभी स्वास्थ्य केंद्र समय पर खुलें।बैठक में संभागायुक्त ने जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा की और कहा कि इस अभियान में जो भी कार्य हाथ में लिए गए हैं उसे समय सीमा में पूरा किया जाए। संभागायुक्त ने कहां की लोकसभा गारंटी केंद्र सक्रिय रूप से कार्य करें, जो प्रकरण आ रहे हैं उन्हें समय सीमा में निराकृत करें ।

मेट्रो एंकर — कलेक्टर जनसुनवाई में 117 आवेदनों पर हुई जनसुनवाई

जनसुनवाई में प्रताड़ना से त्रस्त पति-पत्नी की गुहारें

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

आमजनों की समस्याओं के निराकरण के लिए आयोजित जनसुनवाई में 117 आवेदन प्राप्त हुए जिनकी कलेक्टर एवं संबंधित अधिकारियों ने सुनवाई की। ग्राम सिलारी तहसील इटारसी की अनिता बाई अपने पति की शिकायत लेकर जनसुनवाई पहुंची। उन्होने कलेक्टर को प्रस्तुत आवेदन में बताया कि उनका विवाह 8 वर्ष पूर्व रीति रिवाजों से हुआ था। उनके पति उनके साथ मारपीट करते है और दहेज लाने के लिए प्रताडित करते है। इन सब से परेशान होकर वे अपने माता पिता के साथ मायके में रह रही है। कलेक्टर ने एसडीएम को प्रकरण का परीक्षण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में गौतम नगर सोहागपुर के शेख असलम ने आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि उनकी पत्नि उन्हे प्रताडित करती है। आए दिन लडाई झगडा एवं गाली गलौच करती है। खाना भी नही बनाती है। पत्नि के परिजन भी दहेज एवं मारपीट के झूठे केस में फंसाने की धमकी देते है।

कोठी बाजार की 87 वर्षीय निर्मला मिश्रा ने अपने घर के दोनो ओर चाय वालों, फूल वालों की गुमटियों, टपरियों एवं ठेले वालों की शिकायत की कि वे फुटपाथ पर अवैध रूप से अतिक्रमण कर दुकाने जमा ली है।

जनसुनवाई में शास्त्री वार्ड सोहागपुर के रोहित मिश्रा ने स्कूल शिक्षा में वाहन चालक के पद पर अनुकंपा नियुक्ति देने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। बानापुरा के भूतपूर्व सैनिक भागीरथ प्रसाद ने सिवनीमालवा जनपद पंचायत के सीईओ द्वारा 3 करोड के भ्रष्टाचार की जांच सीबीआई से कराने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। नर्मदापुरम की कला कंडारे ने प्रस्तुत आवेदन में बताया कि जुलाई 2023 में सेवानिवृत्त होने के पश्चात उन्हें पेंशन तथा ग्रेज्एटी तो मिल गई लेकिन अन्य क्लेम अभी तक प्राप्त नहीं हुए है। इटारसी के नितांत गुप्ता ने धोखाधडी की शिकायत करते हुए आवेदन प्रस्तुत किया कि उनकी बेटी को रक्त की आवश्यकता थी। उन्होने स्वंय अपना रक्त दान किया एवं 1050 रूपये भी दिए। लेकिन उनकी राशि उन्हें वापस लौटा दी गई। लेकिन उनका रक्त देने से इन्कार कर दिया गया। उन्होने उनका रक्त लौटाने की मांग की।

ग्वालटोली के अर्जुन यादव ने बताया कि उन्हें शालेय क्रीडा प्रतियोगिता से बाहर कर दिया गया एवं उनके द्वारा जब सीएम हैल्प लाईन में शिकायत की गई तो नर्मदा कॉलेज ने उक्त शिकायत यह कहकर बंद करवा दी कि वे मानसिक रूप से परेसान रहते है।

स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 के अंतर्गत फ्लॉग रन का हुआ आयोजन

धरातल पर कितना काम होगा यह तो बरसात में ही दिखेगा, सिर्फ बैनर पोस्टर पर न रहे

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सरकार के द्वारा स्वच्छ शहर बनाने के लिए हर साल अभियान चलाए जाते हैं लाखों रुपए की राशि भी खर्च की जाती है पर उसका लाभ शहर वासियों को नहीं मिल पाता है क्योंकि जिनके कंधों पर इस काम को पूर्ण करवाने की जिम्मेदारी होती है उनके द्वारा इस काम को जमीनी स्तर पर गंभीरता से नहीं करवाया जाता है । इस वजह से अभियान केवल कागजों में ही सीमित होकर रह जाते हैं। देखने दिखाने के लिए बैनर पोस्टर लगाकर जिम्मेदार खाना पूर्ति कर देते हैं। इस बार फिर इसी तरह का अभियान सरकार के द्वारा प्रारंभ किया गया है। जिसको पूर करवाने की जिम्मेदारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी की है एक बार फिर अभियान का कितना लाभ नगर वासियों को मिलेगा यह तो बरसात के दिनों में ही पता चलेगा शहर कितना साफ स्वच्छ बनेगा या फिर गंदगी के बीच ही लोगों को आना जाना पड़ेगा जो हालात अभी बने हुए हैं। साफ सफाई के प्रति आम जना को जागरूक करने के लिए सोमवार को नगर पालिका परिषद के द्वारा सुरक्षा संगठन 2024 के तहत फ्लाग रन कार्यक्रम का शुभारंभ बलेज पेट्रोल पंप से किया गया। जिसमें पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू, उपाध्यक्ष मनोज साईनाथ ,पार्षद हरिचरण अहिरवार, प्रतिनिधि तोष मणी पंथी, एसडीएम हषर्ल चौधरी, सीएमओ पवन कुमार शर्मा, स्वास्थ्य अधिकारी धीरज के अलावा जनप्रतिनिधि और अधिकारी कर्मचारियों ने मौजूद थे जहां पर स्वच्छता के प्रति जागरूक किया यह लोग यहां से नगर पालिका कार्यालय पहुंचे जहां पर सुरक्षा के प्रति नगर पालिका के द्वारा किए जा रहे हैं कामों के बारे में बताया और कहा कि नगर को स्वच्छता में नंबर वन लाना इसमें सभी नगर वासियों को भी अपना सहयोग करने करना पड़ेगा नगर पालिका परिषद भी साफ सफाई के प्रति विशेष अभियान प्रारंभ कर रही है । अभियान के तहत नगर को साफ-साफ बनाने का काम करेंगे इसमें सभी को अपनी अपनी भूमिका भी निभानी पड़ेगी नगरवासियों के सहयोग से पूर्ण होगा घरों से निकलने वाले कचरे को कचरा वाहन में ही डालें नालियों और सड़कों पर कचरा ना डालने दूसरी ओर नगर पालिका परिषद के जिम्मेदार अधिकारियों को भी अभियान में अपनी जिम्मेदारी गंभीरता निभानी होगी और धरातल पर नगर को साफ-साफ बनाने के लिए मिलकर काम करना होगा तभी अभियान सार्थक हो पाएगा नहीं तो हर बार की तरह अभियान खानापूर्ति वन कर रह जाएगा। बैनर पोस्टर लगाकर शासन की राशि तो खर्च होगी पर शहर साफ स्वच्छ और क्लीन नहीं हो पा रहा आज शहर के कई हिस्सों में साफ सफाई नहीं होती है कई दिनों तक नालियां और नाले चौंक पड़े रहते हैं जरा सी बरसात होने पर घुटनों घुटनों से ऊपर पानी सड़कों पर नजर आता है। इस समस्या से मुक्ति दिलाने के लिए नगर पालिका के अधिकारियों को ध्यान देना होगा तभी हालात बदलेंगे नहीं तो जो हालात पहले से हैं उसमें में बदलाव नहीं हो पाएगा। स्वच्छता के प्रति आम जनता को जागरुक करते हुए स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई।

गांव-गांव में खुलेआम बिक रही अवैध शराब

माफिया के हौसले बुलंद अवैध शराब बिक्री से युवा नशे की जद में

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सिरोंज क्षेत्र में शराब ठेके का ठेकेदार तो बदला, लेकिन नहीं बदला तो गांव-गांव अवैध देशी एवं विदेशी शराब दुकान शराब बिकने का कारोबार आज भी गांव-गांव अवैध रूप से खुलेआम शराब बेची जा रही है। क्षेत्र के एक दर्जन से अधिक गावों में खुलेआम अवैध शराब बिक रही हैं। जिसकी शिकायतें भी लगातार देखने को मिल रही हैं, बावजूद इसके जिम्मेदार हाथ पैर हाथ रखे बैठे हुए प्रतीत हो रहे हैं यही कारण है कि शराब माफिया अब गांव- गांव पहुंचकर अवैध रूप से शराब बिकवा रहे हैं। जिसके कारण गांव में रहने वाले युवा बड़ी संख्या में नशे का शिकार हो रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है। कि मुगलसराय थाना क्षेत्र के दर्जनों गांव में आबकारी विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत के चलते स्थानीय लाइसेंसी शराब ठेकेदार के माध्यम से ही अवैध शराब बिक्री गांव गांव खुलेआम करवाई जा रही है।

इसको लेकर क्षेत्रीय ग्रामीण महिलाएं एवं जनप्रतिनिधि कई बार लामबंद हो चुके हैं। परंतु यह अवैध धंधा बदस्तूर चल रहा है। इस पर रोक नहीं लग पा रही है। क्योंकि गांव-गांव अपनी अवैध दुकानें खुलवा दी हैं। यहां पर शराब अब बेरोक टोक बिक रही है। धड़ल्ले से बिक रही शराब जिसका नतीजा यह निकल रहा है कि लोग जमकर नशा कर रहे हैं, जिससे कई परिवार टूट रहे हैं तो वहीं वाहन दुर्घटनाओं में वृद्धि हो रही है। इन गांवों में हो रही शराब की पुरलगाय देशी शराब दुकान मुगल सराय शराब दुकान पर अधिक रेट में बिक रही शराब।

जिम्मेदार कार्रवाई के नाम पर करते हैं खानापूर्ति

वहीं ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि क्षेत्र में खुलेआम अवैध शराब बेची जा रही विभाग के अधिकारियों को कई बार अवगत करा चुके हैं। इसके बावजूद विभाग के जिम्मेदार कार्रवाई के नाम पर खानापूर्ति करते हैं। अवैध कारोबारियों का गोरखधंधा जैसा चल रहा है चलता रहता है इसलिए इन्हें किसी की कोई परवाह नहीं है, क्योंकि अवैध बिक्री क्षेत्र के ग्राम अनूपपुर चौराह, राय साहब के टपरा, कंसी बांसखेड़ी, झंडवा, पिपलियाहाट, मुड़राधरमू, सहित दर्जन भर से ज्यादा गांवों में स्थानीय लाइसेंसी शराब ठेकेदार के संरक्षण में लंबे समय से शराब की अवैध विक्री की जा रही है। आबकारी विभाग की मिलीभगत से शराब ठेकेदार द्वारा खुद के वाहनों से खुलेआम गांव गांव दुकानें खुलवाकर अंग्रेजी एवं देशी शराब बेची जा रही है। जिसके कारण ग्रामीण क्षेत्रों में आए दिन झगड़े हो रहे हैं। वहीं विशेष तौर पर पुरुषों की विभाग के जिम्मेदार भी इस धंधे में शामिल हैं। वहीं झंडवा के ग्रामीण विष्णु दांगी का कहना है की अवैध शराब को लेकर हम कई बार स्थानीय प्रशासन से शिकायत कर चुके हैं। प्रशासन हर बार छोटी-मोटी कार्रवाई कर अपना पल्ला झाड़ लेता है यही कारण है कि कुछ दिन बाद पुनः अवैध रूप से शराब बिकने लगती है।

शराबखोरी की लत के कारण महिलाएं परेशान हो रही हैं। गृह कलह से जूझ रही है। स्थिति यह है कि सड़क पर कहीं भी शराब पीने वाले लोग मिल जाते हैं, यह लोग सड़क पर चलने वाले लोगों को भी परेशान करते हैं जिसके कारण कई बार हादसे भी हो चुके हैं, बावजूद इसके जिम्मेदार कोई सीख नहीं ले रहे हैं। तय मूल्य से अधिक बेची जा रही शराब- शासन के नियम अनुसार कोई भी सामग्री खरीदने के लिए उस पर लिखी एमआरपी के आधार पर पैसे चुकाने होते हैं लेकिन यह नियम सिरोंज और ग्रामीण क्षेत्र में संचालित हो रही शराब दुकानों पर लागू नहीं होता दिखाई पड़ रहा है। क्योंकि जब से शराब ठेका परिवर्तन हुआ है तब से ही शराब दुकान पर महंगे दामों पर शराब बेची जा रही है। इसकी शिकायत भी पूर्व में शहर सहित ग्रामीणों ने की थी। इसके बाद विदिशा कलेक्टर ने जुर्माने सहित एक दिन दुकान बंद रखने के निर्देश जारी कर कार्रवाई की थी।बावजूद इसके शराब दुकान संचालक अपनी मनमानी से वाज नहीं आ रहा है।

तय मूल्य से अधिक दामों में शराब

बेची जा रही है, तो यह गलत है ऐसी दुकानों की जांच कर कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीण क्षेत्रों में भी हम लगातार भ्रमण कर कार्रवाई करते हैं। यदि मुगलसराय क्षेत्र में गांवों में अवैध शराब बेची जा रही है, तो हम जल्द कार्रवाई करेंगे।

- संजय इब्ने, उपनिरीक्षक आबकारी विभाग।

कृषि उपज मंडी पहुंचे एसडीएम, गंदगी देख नगर पालिका को लगाई फटकार

सिरोंज। सोमवार को हुई झमाझम बारिश के चलते कृषि उपज मंडी तोल प्रांगण में जल भराव की स्थिति निर्मित हो गई किसानो की सूचना पर बारिश के बीच स्थानीय एसडीएम हषर्ल चौधरी कृषि उपज मंडी पहुंचे एसडीएम ने नगर पालिका उपयंत्री रोहित तोमर के साथ मंडी प्रांगण का भ्रमण कर जायजा लिया वही मोटर रखकर पानी निकासी के निर्देश देते हुए अति शीघ्र स्थाई पानी निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात कही भ्रमण के दौरान सब्जी मंडी सड़क पर गंदगी देख एसडीएम भड़क उठे उन्होंने नगर पालिका अधिकारी को सफाई के सख्त निर्देश देते हुए हाट बाजार लगने वाली जगह को सुनिश्चित कर पूरी तरह से स्वच्छ रखने के निर्देश देते हुए एसडीएम ने कहा कि हाट बाजार के दिन सड़क पर दुकान लगाने वाले लोगों को किसी भी तरह की कोई परेशानी ना हो वहीं एसडीएम ने व्यापारी एवं किसानों से चर्चा करते हुए कहां की किसान,व्यापारियों की परेशानी मेरी परेशानी है आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है बारिश के बीच भीगते हुए एसडीएम का मंडी प्रांगण पहुंचना जनता के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है लोग एसडीएम की इस कार्यवाही की प्रशंसा करते हुए सोशल मीडिया पर लिख रहे हैं अधिकारी हो तो ऐसा।

एसडीएम ने जल प्रदाय व्यवस्था का लिया जायजा

सिरोंज। पानी सप्लाई व्यवस्था का जायजा लेने के लिए एसडीएम हर्षल चौधरी मुख्य नगर पालिका अधिकारी पवन शर्मा ,इंजीनियर आदि अमले को लेकर मंगलवार को फिल्टर प्लांट और तालाब में पहुंचे और जल पदार्थ व्यवस्था का गंभीरता से निरीक्षण करते हुए कहा कि शहर वासियों को पानी की समस्या का सामना न करना पड़े उसके लिए सभी जरूरी कदम धरातल पर उठाएं क्योंकि बरसात नहीं होने से अभी भी डेम के जलस्तर में वृद्धि नहीं हो रही है ।जिसको देखते हुए एसडीएम ने चिंता जताते हुए मुख्य नगर अधिकारी और इंजीनियर के साथ जलप्रपात व्यवस्था को देखा और जरूरी दिशा निर्देश दिए जल की सप्लाई अभी सेंटीफ्यूगल पम्प से की जा रहा है।

युवा लेखक सम्मेलन में स्तुति ने किया उर्दू का प्रतिनिधित्व

राससेन, दोपहर मेट्रो।

साहित्य अकादमी दिल्ली और मध्य प्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के संयुक्त तत्वावधान में भोपाल में पहली बार उत्तर छेत्रीय युवा लेखक सम्मिलन का आयोजन किया जिस में बहुभाषीय साहित्यकारों ने हिस्सा लिया। उत्तर छेत्र के साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं का पाठ उर्दू, संस्कृत, अंग्रेजी, हिंदी, पंजाबी, राजस्थानी, कश्मीरी और डोगरी में किया। सिरोंज की स्तुति अग्रवाल ने उर्दू का प्रतिनिधित्व किया और अपना लेख मैं क्यों लिखती हूं प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की सबसे युवा लेखिका स्तुति ने साहित्य अकादमी के उर्दू भाषी कन्वेनर चंद्रभान खयाल का ज़िक्र किया जो उर्दू की तरक्की के लिए हर मुमकिन कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मैं उर्दू भाषी तो नही हूं लेकिन मेरे पापा अनिल अग्रवाल, जो खुद उर्दू से मोहब्बत करते हैं, ने मुझे उर्दू पढ़ने का मशवरा दिया। सैफी सिरोंजी ने मुझे उर्दू लिखना पढ़ना सिखाया, मैंने बारह वर्ष की उम्र से उनकी आपबीती पढ़कर लेखन शुरू किया। उन्होंने कहा कि उर्दू पढ़ने के लिए मैंने कॉन्वेंट स्कूल की पढ़ाई छोड़ दी और तेरह साल की उम्र में मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी का मुशायरा पढ़ा। उन्होंने ÷कुदरत ने मुझको दोस्तो तोहफा बड़ा दिया, तेरह बरस की उम्र में शायर बना दिया÷ पढ़कर तालियां बटोरी। लेखन की वजह बताते हुए वह कहती हैं कि कुछ लोग प्राकृतिक सुंदरता से प्रभावित होकर लिखते हैं, कुछ लोग इश्क की नाकामियों का बयान अपने लेखन में करते हैं और कुछ लोग इसलिए लिखते हैं कि वह दुनिया बदल देना चाहते हैं लेकिन मेरा मानना है कि हर लेखक अपनी इज़्ज़त और शोहरत के लिए लिखता है।

इस प्रोग्राम पर रोशनी डालते हुए उन्होंने कहा कि आज युवा साहित्य से दूर हो रहा है। युवा साहित्यकारों को प्रस्तुति का मौका देने की साहित्य अकादमी की अच्छी पहल है। नौजवान हमारे देश की रीढ़ हैं और उनको अलग अलग भाषाओं में अपनी रचनाओं की अभिव्यक्ति का अवसर मिल रहा है जिससे युवाओं को खुला आसमान मिल रहा है। इस आयोजन में ए आई के बढ़ते खतरों पर विमर्श किया गया और उन पर रोक लगाने के लिए कुछ सुझाव दिए गए।

केसला में अवैध अतिक्रमण निर्माण और धर्मांतरण के आरोप

भाजपा नेताओं के साथ हिंदू समाज ने दिया धरना, एसडीएम को ज्ञापन

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

सर्व हिंदू समाज के आह्वान पर मंगलवार को भारतीय के पदाधिकारियों ने केसला थाना के सामने प्रशासन के कथित भेदभावपूर्ण रवैये के खिलाफ धरना प्रदर्शन कर ग्रामीण क्षेत्र में भोले वाले आदिवासियों को जबरदस्ती धर्मांतरण कराने का विरोध किया।

आंदोलनकारी भाजपा पदाधिकारियों की मांग है कि केसला विकासखंड के ग्राम सुखतवा और केसला में एक समुदाय विशेष के आवासों के वैधानिक दस्तावेजों की जांच एवं सत्यापन अविलंब किया जाए। केसला विकासखंड के ग्राम सुखतवा एवं केसला में उक्त समुदाय को शासन अथवा पंचायत द्वारा आवंटित आवासीय पट्टों की जांच करते हुए उनकी पात्रता की जांच की जाए। उक्त पट्टे तत्काल निरस्त किए जाएं, इस समुदाय के बीपीएल कार्डों की वैधानिक जांच की जाए।

केसला विकासखंड में सड़कों के किनारे और सुखतवा में संचालित मीट की अवैध दुकानें तत्काल हटाई जाएं। केसला थाने के अंतर्गत निवासरत उक्त समुदाय के असामाजिक तत्वों के पुलिस रिकार्ड के आधार पर इनके विरुद्ध कठोर एवं प्रतिबंधात्मक कार्यवाई अविलंब की जाए। ग्राम केसला, सुखतवा, भरगदा एवं अन्य स्थानों पर समुदाय विशेष द्वारा अतिक्रमण की गई शासकीय भूमि एवं संपत्ति को अविलंब अतिक्रमण से मुक्त कराया जाए। भाजपा नेता शैलेंद्र दीक्षित ने बताया कि केसला ब्लॉक में समुदाय विशेष के लोगों द्वारा धर्मांतरण कराने,सरकारी जमीनों के साथ आदिवासियों की जमीनों पर अवैध कब्जा, गुंडागर्दी करने के बढ़ते मामलों को देखते हुये सर्व हिन्दू समाज एवं भाजपा सगठन द्वारा केसला थाने में धरना दिया गया।भाजपा संगठन पदाधिकारियों ने प्रशासन पर भी गंभीर आरोप लगाये। मंच से भाजपा सगठन पदाधिकारियों ने कहा कि केसला को पाकिस्तान नही बनने देंगे। प्रशासन के खिलाफ भाजपा नेताओं एवं सर्व हिन्दू समाज के लोगो ने जमकर नारेबाजी भी की। मौके पर पहुंचे एसडीएम टी प्रतीक राव को एक ज्ञापन भी दिया। नेताओ ने प्रशासन को चेताया भी की अगर इस ज्ञापन पर गंभीरता से कार्यवाही नही की जाती है,तो बड़े स्तर पर भाजपा आंदोलन भी करेगी।

मेट्रो एंकर **नारायणपुरकलां ग्राम पंचायत का मामला**

क्योंकि जनपद पंचायत के सरंक्षण में ग्राम पंचायतों के फल-फूल रहे सरपंच सचिव

महिला सरपंच की जगह पुत्र का रहा काम!

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

जिले में अधिकारीयों की नाक के नीचे दशकों से भ्रष्टाचार पनप रहा है,जिले की कई ग्राम पंचायतें ऐसी है, जिन में खुलेआम लाखों रुपये का भ्रष्टाचार किया गया है। लेकिन जिला पंचायत में बैठे अधिकारी तमाशबीन बने हुऐ है। और जिले के जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों में कमीशन खोरी का खुलेआम खेल चल रहा है,और भला सब का हो रहा इसलिये तो कार्यवाही करने से अधिकारी कतरा रहे हैं। जिले की जनपद पंचायतें लटेरी सिरोंज नटेरन जनपद पंचायत की ग्राम पंचायतें तो भ्रष्टाचार को लेकर बुरी तरह बदनाम भी है।

सरपंच सचिव अपने चहेतों के खातों में पैसे डाल कर फर्जीवाड़ा कर रहे हैं। लटेरी जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत नारायणपुर कलां में सरपंच सचिव ने गजब के भुगतान फर्जी विल और वाउचरों के माध्यम से हजारों रुपये निकाले गये हैं, ओमप्रकाश को एक माह का चौकीदारी का भुगतान किया गया और वहीं दूसरी तरफ 13 हजार 7 सौ 50 रुपये की मिठाई भी ओमप्रकाश से ही खरीदी गई,दिनांक 2-4-2024 को टेंकर की रिपेयरिंग पर 35 हजार एंव 40 हजार रूपये खर्च किये गये।

मनरेगा में धांधली निर्मल नीर कुंआ निर्माण में दर्ज 16 मजदूर लेकिन मौके पर एक भी नहीं था।

भ्रष्टाचार में लिप्त सरपंच सचिव की वजह से मध्य प्रदेश सरकार की जनहितकारी योजनाऐं भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही है। लोगों में सरकार के प्रति आक्रोश पनप रहा है,'भ्रष्ट और महाभ्रष्ट' ग्राम पंचायतें भ्रष्टाचार के मामले में टाप पर है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग, भोपाल
माधवराव सप्रे मार्ग (मुख्य मार्ग क्रमांक-03) भोपाल (मप्र) 462003

नि.आ.सू.क्रमांक/02/एन.एच.एम/सं.भो/ 2024-25/ 492 भोपाल दिनांक 03/07/2024

द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना (रिस्क एण्ड कास्ट)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग-भोपाल की ओर से निम्निलिखित कार्य संपादित करने के लिये निविदा पोर्टल ऑनलाईन (निविदा ई-टेण्डरिंग के माध्यम)से (http://www.mptenders.gov.in) (Department of Directorate of Health Services) तीन लिफाफा से प्रपत्र ''अ'' फार्म से परसेंटेज बेसिस पर उपयुक्त श्रेणी में पंजीबद्ध ठेकेदार हेतु प्रोजेक्ट डायरेक्टर पीआईयू, लोक निर्माण विभाग भोपाल द्वारा जारी भवन एवं विद्युत कार्य हेतु एस.ओ.आर. 01.12.2020 (दिनांक 14.09.2022 तक किये गये समस्त संशोधनों सहित) दरों पर आमंत्रित की जाती है निविदा का विवरण निम्नानुसार हैः

ई-निविदा सूचना क्रमांक-02 /2024-25 दिनांक 24/06/2024

स.क्र.	टेण्डर नं. 2024_DHS	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि (लाख में)	जमा धरोहर राशि रू.	टेण्डर दर राशि रू.	समय सीमा वर्षाकाल सहित
1	352785	जिला विदिशा विकासखंड बासौदा में 05 (भाटनी, बावली, ककरावदा, सिरननोटा, भिदरवासन) उप स्वास्थ्य केंद्र भवनों का मय सी.एच.ओ आवास सहित निर्माण कार्य। (रिस्क एण्ड कास्ट)	206.18	206180.00	15000.00	12 माह
2	352787	जिला विदिशा विकासखंड कुरवाई एवं सिरोंज में 04 (पीकलोन, देवली, कैथोरा एवं भगवंतपुर) उप स्वास्थ्य केंद्र भवनों का मय सी.एच.ओ आवास सहित निर्माण कार्य। (रिस्क एण्ड कास्ट)	175.52	175520.00	12500.00	12 माह

1. कार्य से संबंधित एन.आई.टी वेबसाइट (http://www.mptenders.gov.in) पर देखी जा सकती है। 2. निविदा प्रपत्र आनलाईन दिनांक 04/07/2024 प्रातः 10.30 से दिनांक 16/07/2024 सायं 17.30 तक क्रय किये जा सकते हैं। 3. धरोहर राशि स्टेट हेल्थ सोसायटी , एन.एच.एम भोपाल के पक्ष में देय होगी। 4. एन.आई.टी में कोई भी संशोधन होने की स्थिति में वेबसाईट (http://www.mptenders.gov.in) पर प्रकाशित किया जावेगा एवं समाचार पत्रों में नहीं किया जावेगा।

G- 13205/24

कार्यपालन यंत्री
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
संभाग- भोपाल

एम्मा नवारो का गॉफ से हिसाब बराबर, क्वार्टरफाइनल पहुंची

लंदन, एजेंसी

अमरीका की 23 वर्षीय खिलाड़ी एम्मा नवारो ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां खेले जा रहे साल के तीसरे ग्रैंड स्लैम विम्बलडन के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। नवारो का इस टूर्नामेंट में यह अभी तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है क्योंकि उन्होंने पहली बार यहां अंतिम आठ में प्रवेश किया है। 19वीं वरीय नवारो ने अंतिम-16 राउंड में दूसरी वरीय हमवतन खिलाड़ी कोको गॉफ को 6-4, 6-3 से उलटफेर का शिकार बनाया और पिछला हिसाब भी बराबर किया। दोनों खिलाड़ियों के बीच यह कुल दूसरी भिड़ंत थी। इससे पहले, दोनों के बीच इसी साल जनवरी में ऑकलैंड ओपन में भिड़ंत हुई थी, जिसमें गॉफ ने जीत दर्ज की थी। अमरीकी खिलाड़ी की सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए पाओलिनी से भिड़ंत एम्मा नवारो ने गॉफ से हिसाब बराबर किया।

आगे की राह आसान नहीं

नवारो के लिए आगे की रहा आसान नहीं होगी क्योंकि अब उनका मुकाबला सातवीं वरीय इटालियन खिलाड़ी जैस्मिन पाओलिनी से होगी, जिन्होंने अमरीका की 12वरीय खिलाड़ी मेडिसन कीज को शिकस्त दी थी। इस बीच, कजाकिस्तान की एलेना रिबाकिना को रूसी खिलाड़ी अना कालिंसकाया के खिलाफ मुकाबले में वॉकओवर मिला। इस तरह रिबाकिना अंतिम आठ में पहुंची। नवारो के खिलाफ मैच के दौरान कोको गॉफ अपने ही कोचिंग स्टाफ के खिलाफ गुस्से में नजर आईं। दरअसल, उनकी कोचिंग टीम उन्हें बाहर से कुछ निर्देश दे रही थी, जिसे वह समझ नहीं पा रही थी। इस कारण वह तनाव में और अपनी कोचिंग टीम पर गुस्सा करते हुए दिखीं।

गौतम गंभीर के सामने भारत को फिर आईसीसी ट्रॉफी जितवाना बड़ा चैलेंज

कोहली-रोहित के साथ केमिस्ट्री और नई लीडरशिप तैयार करनी होगी

नईदिल्ली, एजेंसी

गौतम गंभीर टीम इंडिया के हेड कोच बन गए हैं। बीसीसीआई ने इसकी ऑफिशियल जानकारी दी। गंभीर अब राहुल द्रविड़ की जगह संभालेंगे, जिन्होंने टीम इंडिया के आईसीसी टूर्नामेंट जीतने सूखा का 10 दिन पहले ही खत्म करवाया। उनकी कोचिंग में भारत ने साउथ अफ्रीका को फाइनल हराकर टी-20 वर्ल्ड कप जीता। गंभीर 2027 तक भारत के कोच बने रहेंगे। इस दौरान भारत 5 आईसीसी टूर्नामेंट खेलेगा। गंभीर के सामने इनमें टीम को चैंपियन बनाने की चुनौती है। इसके अलावा विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे सीनियर प्लेयर्स के साथ उनकी केमिस्ट्री पर भी नजरें होंगी।

न्यूजीलैंड, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज

हेड कोच के रूप में गंभीर का कार्यकाल श्रीलंका दौरे से शुरू होगा। दौरे पर पहला मैच 27 जुलाई को है। श्रीलंका में टीम 3 वनडे और 3 टी-20 खेलेगी। इसी दौरे से गंभीर के कोचिंग करियर की बुनियाद तय होगी। श्रीलंका दौरा 7 अगस्त को खत्म होगा, इसके बाद 19 सितंबर से टीम इंडिया का बिजी शेड्यूल शुरू हो जाएगा। यहीं से गंभीर के असली चैलेंज भी सामने आएंगे। 2025 के वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में पहुंचने के लिए भारत को अगली 3 टेस्ट सीरीज में अच्छा परफॉर्म करना होगा। इनमें घरेलू मैदान पर बांग्लादेश से 2 और न्यूजीलैंड से 3 टेस्ट होंगे। भारत फिलहाल पॉइंट्स टेबल में टॉप पर है, इसलिए टीम से पांचों टेस्ट जीतने की उम्मीद है। नवंबर से जनवरी तक टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया में 5 टेस्ट खेलेगी। भारत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2014 के बाद से 4 टेस्ट सीरीज जीत चुका है। ऑस्ट्रेलिया में तो भारत ने लगातार 2 टेस्ट सीरीज जीती है। यानी गंभीर के सामने ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीत की हैट्रिक लगाने की चुनौती है। इसी सीरीज के नतीजे से तय होगा कि भारत लगातार तीसरा डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलेगा या नहीं। 2025 से 2027 तक भारत फिर इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और श्रीलंका में 3 टेस्ट सीरीज खेलेगा। इस दौरान वेस्टइंडीज, साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 टेस्ट सीरीज घर में भी रहेंगी। 2027 के डब्ल्यूटीसीफाइनल में पहुंचने के लिए इनमें भी जीत दर्ज करनी ही होगी।

अगले 3 साल में 5 आईसीसी टूर्नामेंट

आईसीसी साल 2025 से 2027 तक 5 टूर्नामेंट कराएगी। 2 आईसीसी फाइनल हटा दें तो लिमिटेड ओवर्स के 3 अहम टूर्नामेंट इनमें शामिल हैं। 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी, 2026 में टी-20 वर्ल्ड कप और 2027 में वनडे वर्ल्ड कप होगा। आईसीसी टूर्नामेंट्स के इतर इस दौरान 2 एशिया कप भी होंगे। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने 2 खिताब 2002 और 2013 में जीते। टीम 2017 में पाकिस्तान से फाइनल हारकर रनर-अप रही। अब 2025 में भारत के सामने पाकिस्तान में ही चैंपियंस ट्रॉफी जीतने की चुनौती है। टी-20 वर्ल्ड कप में भी भारत ने 2 खिताब 2007 और 2024 में जीते। टीम इस वर्ल्ड कप की मौजूदा चैंपियन है। 2026 का टूर्नामेंट भारत और श्रीलंका की मेजबानी में है। यानी गंभीर के सामने होम ग्राउंड पर भारत को पहला टी-20 वर्ल्ड कप जिताने की चुनौती है। वनडे वर्ल्ड कप में भी भारत ने 2 ही खिताब 1983 और 2011 में जीते। 2027 का टूर्नामेंट साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होगा। यह गंभीर के कोचिंग पीरियड का आखिरी टूर्नामेंट है। वनडे वर्ल्ड कप क्रिकेट का सबसे बड़ा टूर्नामेंट है।

शतक ठोकने वाले अभिषेक शर्मा का खुलासा

'दबाव में होता हूं तो गिल के बल्ले से खेलता हूं'

नईदिल्ली, एजेंसी

हरारे. जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी-20 मैच में ताबड़तोड़ अंदाज में 47 गेंद में शतक जड़ने वाले युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने बताया कि यह पारी उन्होंने बचपन के मित्र और मौजूदा कप्तान शुभमन गिल के बल्ले से खेली थी। उन्होंने कहा कि मैं जब भी दबाव में होता हूं को गिल के बल्ले से खेलता हूं। उनका बल्ले मेरे लिए लकी साबित होता है। अभिषेक और शुभमन गिल बचपन के दोस्त हैं। दोनों अंडर-12 से साथ खेल रहे हैं। अभिषेक ने अपने सफर को याद करते हुए कहा, 11-12 वर्ष के बच्चे के तौर शुरू हुआ यह सफर काफी खूबसूरत रहा है। राष्ट्रीय टीम के लिए जब मुझे चुना गया तो सबसे पहला फोन शुभमन का आया। पहले मैच में शून्य पर आउट होने के बाद में दबाव में था और मैंने गिल के बल्ले से खेलने का फैसला किया। अभिषेक ने खुलासा किया कि जिम्बाब्वे के खिलाफ पदार्पण मैच में शून्य पर आउट होने पर उनके मेंटर युवराज सिंह खुश थे, क्योंकि उनका मानना था कि यह अच्छी शुरुआत है। लेकिन अब वह मेरे परिवार की तरह खुश होंगे और उन्हें मुझ पर गर्व होगा।

37 साल पुराना रेकॉर्ड तोड़ा: यारोस्लावा ने यह कामयाबी लड़ाई से जूझते यूक्रेन को समर्पित की

पेरिस, एजेंसी

यूक्रेन की 22 वर्षीय युवा लॉग जम्पर (ऊंची कूद) एथलीट यारोस्लावा महुचिख ने रविवार को यहां पेरिस डायमंड लीग में 37 साल पुराना विश्व रेकॉर्ड तोड़ा और अपना नाम इतिहास में दर्ज करा लिया। यारोस्लावा ने 2.10 मीटर (6.88 फीट) के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। उनसे पहले यह विश्व रेकॉर्ड बुल्गारिया की स्टेफ्का कोस्टाडिनोवा (2.09 मी.) के नाम था, जिन्होंने 1987 में रोम में यह कमाल किया था। इस जीत के बाद वह भावुक हो गईं क्योंकि उनका देश पिछले काफी समय से युद्ध की मार झेल रहा है।

यारोस्लावा ने कहा, हम सभी अपने देश, अपने लोगों और सैनिकों के लिए लड़ रहे हैं। हम पूरी दुनिया को दिखाना चाहते हैं कि हम हार नहीं मानेंगे और लगातार लड़ेंगे। दुर्भाग्य से यूक्रेन में लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। मुझे खुशी है कि मुश्किल समय के बीच मैं अपने देश का नाम एथलेटिक्स के इतिहास में दर्ज कराने में सफल हुई हूं। टोक्यो 2020 की कांस्य पदक विजेता यारोस्लावा ने कहा कि इस प्रदर्शन से उन्हें उम्मीद है कि वे इस बार पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीत सकती हैं।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

अभिनेत्री सोनम के लिए मसीहा बने आदित्य फिल्म 'विजय' के सेट पर बचाई थी जान

80 से 90 के दशक की चर्चित अभिनेत्री सोनम खान ने फिल्म निर्माता आदित्य चोपड़ा से जुड़ा दिलचस्प खुलासा किया है। 'विजय' अभिनेत्री की बॉलीवुड डेब्यू फिल्म थी, जिसमें उन्होंने दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर के साथ स्क्रीन स्पेस साझा किया था। साल 1988 की इस फिल्म की शूटिंग को याद करते हुए सोनम ने बताया कि कैसे फिल्म निर्माता ने उन्हें डूबने से बचाया था। यह घटना एक महत्वपूर्ण दृश्य के फिल्मांकन के दौरान घटी थी और अगर आदित्य उसमें तुरंत हस्तक्षेप नहीं करते तो यह एक दुखद घटना में तब्दील हो सकती थी। फिल्म में एक यादगार दृश्य दिखाया गया था जहां सोनम को बिकिनी पहननी थी, जो उनके शुरुआती करियर में एक साहसिक पल था। इस सीन की शूटिंग पर विचार करते हुए, सोनम ने न्यूज 18 से बातचीत के दौरान खुलासा किया कि वह उस दिन लगभग डूबने वाली थीं, लेकिन आदित्य चोपड़ा की त्वरित कार्रवाई से उन्हें बचा लिया गया। यश चोपड़ा ने सोनम को बिकिनी सीन के बारे में पहले ही बता दिया था और उन्हें तैराकी सीखने की सलाह दी थी। फिल्म निर्माता की सलाह के बावजूद सोनम ने बिना स्विमिंग सीखे सीन को करने की ठानी। यह दृश्य बेंगलुरु के एक होटल के पूल में शूट किया जाना था और सोनम इसे सिंगल-टेक शॉट के रूप में याद करती हैं, जहां उन्हें और ऋषि कपूर दोनों को अलग-अलग दिशाओं से पूल में कूदना था। वाक्ये को याद करते हुए अभिनेत्री ने कहा, मैंने कभी तैराकी सीखने की जहमत नहीं उठाई, और हम बैंगलोर के एक होटल में शूटिंग कर रहे थे। यह एक शॉट वाला दृश्य था जहां ऋषि जी एक बिंदु से चल रहे थे, और मैं दूसरे स्थान से चल रही थी और हम दोनों को पूल में कूदना था। सोनम ने याद करते हुए कहा, मैंने किसी को यह बताने की जहमत नहीं उठाई कि मुझे तैरना नहीं आता, इसलिए हम दोनों पूल में कूद गए और यह एक ही बार में हुआ। अभिनेत्री ने बताया कि कैसे वह पानी से टकराने पर घबरा गईं, तैरने में असमर्थ हो गईं और ऋषि कपूर को पकड़ने लगीं। फिल्म क्रू ने शुरू में सोचा कि उनका संघर्ष दृश्य का हिस्सा था, जब तक कि आदित्य चोपड़ा खतरे को पहचानते हुए उन्हें बचाने के लिए पूरे कपड़े पहनकर पूल में नहीं कूद गए। सोनम ने अपनी बात को जारी रखते हुए कहा, मैं पूल में कूद गई और तैरना नहीं जानती थी। मैं सचमुच ऋषि जी को पकड़ रही थी।

सब्जियों की कीमत बढ़ने से खुदरा महंगाई में होगी वृद्धि

भीषण गर्मी के बाद बारिश से फसलों को नुकसान

मेट्रो बाजार

नईदिल्ली, एजेंसी

आने वाले समय में टमाटर, आलू और हरी सब्जियों के दाम और बढ़ सकते हैं। उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली-एनसीआर और हरियाणा में बारिश से फसलें बर्बाद हो रही हैं। किसानों का कहना है कि मुरादाबाद क्षेत्र में फसलें सबसे अधिक प्रभावित हुई हैं। पहले भीषण गर्मी और अब बारिश की वजह से टमाटर, आलू और प्याज सहित हरी सब्जियों की कीमतें बढ़ने का सीधा असर जून की खुदरा महंगाई पर दिख सकता है। अनुमान है कि 12 जुलाई को जारी होने वाली जून की महंगाई दर 4.80 फीसदी रह सकती है जो मई में 4.75 फीसदी रही थी। 54 अर्थशास्त्रियों के मुताबिक, महंगाई दर 4.10 फीसदी से लेकर 5.19 फीसदी तक रह सकती है। भीषण गर्मी, फिर बारिश से उत्तरी भारत में कृषि का नुकसान हुआ था। इससे टमाटर, आलू और प्याज की कीमतें 10 फीसदी से ज्यादा बढ़ी थीं। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की मुख्य आर्थिक सलाहकार कनिका पसरीचा ने कहा, अनाज और दालों के साथ सब्जियों की कीमतों में तेज बढ़ोतरी ने खाद्य मुद्रास्फीति को उच्च स्तर पर बनाए रखा। इससे अंडे, फलों और मसालों की कम कीमतों का असर भी खत्म हो गया। आने वाले समय में टमाटर, आलू और हरी सब्जियों के दाम और बढ़ सकते हैं। उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली-एनसीआर और हरियाणा में बारिश से फसलें बर्बाद हो रही हैं। किसानों का कहना है कि मुरादाबाद क्षेत्र में फसलें सबसे अधिक प्रभावित हुई हैं। किसानों ने बताया, टमाटर के खेतों में पानी भर जाने से पौधे सड़ रहे हैं। इससे किसान अन्य फसलों की खेती के लिए टमाटर की फसल उखाड़ रहे हैं। इससे पहले भीषण गर्मी से फसलें बर्बाद हुई थीं। किसानों का कहना है कि गर्मी में उन्हें टमाटर की सही कीमतें नहीं मिली थीं। अब जब कीमतें अच्छी हैं तो बारिश ने उस पर पानी फेर दिया। कुछ अर्थशास्त्रियों का यह मानना है कि इस महीने से टेलीकॉम कंपनियों की 25 फीसदी तक टैरिफ बढ़ोतरी से आने वाले महीनों में महंगाई पर कम से कम 0.2 फीसदी तक दबाव बढ़ने की संभावना है।

एक्शन सीन की शूटिंग के दौरान उर्वशी को आया फ्रैक्चर

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला फिल्मों के साथ-साथ निजी जिंदगी को लेकर भी काफी सुर्खियां बटोरती हैं। वे खुद से जुड़ी जानकारी फैंस के साथ साझा करती हैं। अब हाल ही में, खबर आ रही है कि अभिनेत्री हैदराबाद में फिल्म की शूटिंग के दौरान चोट लगने के बाद अस्पताल में भर्ती हैं। आइए जानते हैं कि मामला क्या है। अभिनेत्री उर्वशी रौतेला नंदमुरी बालकृष्ण की तेलुगु फिल्म एनबीके 109 में नजर आने वाली हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अभिनेत्री हैदराबाद में फिल्म की शूटिंग के दौरान चोट लगने के बाद अस्पताल में भर्ती हैं। फिल्म में बॉबी देओल भी मुख्य भूमिका में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो उर्वशी की टीम की ओर से जारी एक प्रेस बयान में बताया गया कि अभिनेत्री को भयानक फैक्चर हुआ है। अब उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका बेहतरीन इलाज किया जा रहा है। उर्वशी की टीम ने आगे बताया कि उन्हें एक हाई-ऑक्टेन सीन की शूटिंग के दौरान फैक्चर हुआ और तब से उन्हें दर्द हो रहा है। कथित तौर पर, उर्वशी हाल ही में एनबीके 109 के तीसरे शेड्यूल की शूटिंग के लिए हैदराबाद रवाना हुई थीं। उर्वशी के स्वास्थ्य अपडेट के साथ-साथ दुर्घटना के बारे में आगे की जानकारी की प्रतीक्षा की जा रही है। उर्वशी ने अस्पताल से कोई तस्वीर या वीडियो साझा नहीं किया है। एनबीके 109 इस फिल्म का संभावित नाम है। यह नवंबर 2023 में फ्लोर पर आएगी। बॉबी कोली द्वारा निर्देशित इस फिल्म में थमन एस ने संगीत दिया है।

हिट फिल्में देने के बावजूद अभिनेता विवेक ओबेरॉय को नहीं मिला काम

बॉलीवुड अभिनेता विवेक ओबेरॉय को आखिरी बार रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी वेब सीरीज इंडियन फॉर्स में देखा गया था। विवेक अब तक इंडस्ट्री को कई हिट फिल्में दे चुके हैं। उन्होंने मस्ती फ्रेंचाइजी, साथिया, शूटआउट एट लोखंडवाला और ओमकारा जैसी हिट फिल्मों में काम किया है। अब उन्होंने अपने वर्तमान के फिल्मी करियर की यात्रा के बारे में खुलकर बात की। हाल ही में विवेक ओबेरॉय ने बताया कि कैसे उन्होंने अभिनेता बनने से पहले व्यावसायिक यात्रा शुरू की और अभी भी उसी आय पर निर्भर हैं। विवेक ओबेरॉय ने हाल ही में एबीपी लाइव को दिए साक्षात्कार में कहा कि मैंने अभिनेता बनने से पहले बिजनेस में कदम रखा था। 15 साल की उम्र में मैंने एक छोटा सा धंधा शुरू किया था, क्योंकि मैं बोर्डिंग स्कूल से आया था और मेरे पिता सुरेश ओबेरॉय मुझे 500 रुपये पॉकेट मनी देते थे। मैं लड़कों के बोर्डिंग स्कूल से आया था। मीठीबाई कॉलेज में खूबसूरत लड़कियों को देखा और उन्हें डेट पर ले जाना चाहता था। मुझे हर महीने 500 रुपये दिए जाते थे, लेकिन मैंने एक ही डेट पर सब खर्च कर दिया। उन्होंने आगे कहा, मेरे पिता ने मुझे डांटा और पैसे का विवेकपूर्ण तरीके से इस्तेमाल करने और ज्यादा जिम्मेदार बनने को कहा। मैं 15 साल का था। मेरा अहंकार आहत था और मैंने अपनी मां से कहा कि मुझे अपने पिता का पैसा नहीं चाहिए, मैं खुद संभाल लूंगा। मैं उस पर अड़ा रहा और अपने पिता से पैसे नहीं लिए, लेकिन मुझे कॉलेज जाने, चाय और रिक्शा यात्रा के लिए पैसे की जरूरत थी। तभी मैंने गलती से काम करना शुरू कर दिया, एक छोटा सा वॉयस गिग किया, शो कंपोज किए और वहां से थोड़ा-बहुत कमाना शुरू कर दिया। विवेक ने अपने स्टॉक पोर्टफोलियो के बारे में बताया। उन्होंने कहा, जब मैंने ज्यादा कमाई करना शुरू किया तो मैंने स्टॉक मार्केट में निवेश करना शुरू कर दिया, मैंने इसके लिए ब्रोकर्स से ट्रेनिंग ली। मैंने अपना स्टॉक मार्केट पोर्टफोलियो तब शुरू किया जब मैं 16-17 साल का था।

पहली बार खादी एवं ग्रामोद्योग का सालाना कारोबार 1.50 लाख करोड़ रुपये पहुंचा

नईदिल्ली, एजेंसी

खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के चेयरमैन मनोज कुमार ने मंगलवार को कहा, रोजगार में वृद्धि ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने का काम किया। उन्होंने कहा, 2013-14 के बाद से 10 वर्षों में खादी एवं ग्रामोद्योग गतिविधियों में नए रोजगार का सृजन 81 फीसदी बढ़ गया। खादी एवं ग्रामोद्योग का सालाना कारोबार 2023-24 में पहली बार 1.50 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया।इस दौरान इसने 10 लाख से अधिक लोगों को रोजगार दिए। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के चेयरमैन मनोज कुमार ने मंगलवार को कहा, रोजगार में वृद्धि ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने का काम किया। उन्होंने कहा, 2013-14 के बाद से 10 वर्षों में खादी एवं ग्रामोद्योग गतिविधियों में नए रोजगार का सृजन 81 फीसदी बढ़ गया। इस अवधि में उत्पादन 315 फीसदी और खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों की बिक्री में 400 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। भारतीय गेमिंग उद्योग चालू वित्त वर्ष में 20 प्रतिशत बढ़कर 23,100 करोड़ रुपये का हो सकता है। ग्रांट थॉर्नटन की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में ऑनलाइन गेमर्स की संख्या चीन से आगे निकलकर 44.2 करोड़ पहुंच गई है। रिपोर्ट में गेमिंग उद्योग के लिए व्यापक आचार संहिता की वकालत की गई, जो जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए नैतिक व्यवहार के मानक निर्धारित करती हो।

पुलिस लाइन नेहरू नगर की घटना, पुलिस जांच में जुटी

ट्रैफिक के एएसआई ने 315 बोर की रायफल से खुद को मारी गोली, मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो। कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित पुलिस लाइन नेहरू नगर में आज सुबह करीब 9 बजे के आसपास ट्रैफिक पुलिस के एएसआई ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। कुछ वर्षों से वह तनाव में थे। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने एफएसएल कीड़टीम से घटनास्थल का निरीक्षण कराने के बाद एएसआई का शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पत्नी थी कैंसर से पीड़ित

पुलिस ने परिजन से प्राथमिक पूछताछ की तो पता चला कि योगेंद्र यादव की पत्नी कैंसर से पीड़ित थी। उनका इलाज चल रहा था, लेकिन कैंसर जैसी गंभीर बीमारी होने के करण पत्नी के स्वास्थ्य में सुधार नहीं हो रहा था। इसी को लेकर वह तनाव में थे। यह भी बताया जा रहा है कि कुछ दिन से वह ड्यूटी भी नहीं जा रहे थे।

एसपी चंद्रशेखर पांडे ने बताया कि 55 साल के योगेंद्र यादव नेहरू नगर पुलिस लाइन में रहते थे। वे ट्रैफिक में एएसआई थे। उनके परिवार में माता पिता के अलावा, पत्नी और तीन बेटे हैं। यहां पुलिस लाइन में वह संयुक्त परिवार में रह रहे थे। परिजन ने पुलिस को बताया कि सुबह धमाके की आवाज आई और वह सीड़ियों के तरफ पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने देखा तो योगेंद्र यादव खून से लतपाथ पड़े थे और उनके पास रायफल पड़ी हुई थी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने एफएसएल की टीम से घटनास्थल का निरीक्षण कराने के बाद शव पीएम के लिए भेज दिया।

सीढ़ियों पर बैठकर गर्दन पर लगाई नाल और किया फायर

पुलिस की प्राथमिक जांच में यह बात सामने आईड़कि योगेंद्र यादव 315 बोर की रायफल लेकर सीड़िया पर बैठेड़थे। इसके बाद उन्होंने रायफल की नाल गले पर लगाई और ट्रिगर दबा दिया। काफी पास से गोली लगने के कारण उनकी गर्दन और सिर का हिस्से में गंभीर चोट थी। दीवार में भी आसपास खून और मांस के छींटे पड़े नजर आए हैं।

बुजुर्ग पर हमला करने वाला निगरानी बदमाश गिरफ्तार 3 माह से फरार था

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ऐशबाग इलाके में 72 साल के बुजुर्ग पर प्राणघातक हमला करने वाले निगारनी बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने रुपये नहीं देने पर बुजुर्ग व्यक्ति के पर उस्तरे से हमला फरार हो गया था। पुलिस पिछले तीन महीने से उसकी तलाश कर रही थी। आरोपी के खिलाफ एक दर्जन से ज्यादा संगीन अपराध शहर के विभिन्न थानों में दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक बाबू सलाम (72) बाग उमरावदूल्हा ऐशबाग में रहते हैं और किराए पर ठेले चलवाने का काम करते हैं। बीती 14 अप्रैल की सुबह करीब दस बजे उनकी भतीजा फैज उर्फ कल्लू उनके पास पहुंचा और रुपयों की मांग करने लगा। फैज ग्वाल मोहल्ला रोशनपुरा का रहने वाला है और अरेरा हिल्स थाने का निगरानी बदमाश है। बाबू सलाम ने भतीजे को पांच सौ रुपए दिए वह ज्यादा रुपयों की मांग करने लगा। उन्होंने ज्यादा रुपये देने इंकार किया तो फैज ने उस्तरे से उनकी गर्दन पर वार कर दिया। बाबू ने अपना बचाव करने का प्रयास किया तो उस्तरा उनके गाल पर लगा, जिससे खून बहने लगा। बाबू ने शोर मचाया तो उनके परिजन और आसपास के लोगों ने बीच-बचाव किया। उसके बाद फैज वहां से भाग निकला। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मारपीट, चाकूबाजी, अड़ीबाजी और हत्या के प्रयास समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। घटना के बाद आरोपी की तलाश में पुलिस टीम लगाई गई थी। मंगलवार को पुलिस ने आरोपी फैज उर्फ कल्लू खान (22) निवासी ग्वाल मोहल्ला रोशनपुरा को गिरफ्तार कर लिया है।

ललितपुर जा रही महिला यात्री का बस में हुआ प्रसव डायल 100 ने प्रसूता और नवजात को पहुंचाया अस्पताल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

इंदौर से ललितपुर उत्तर प्रदेश जा रही एक महिला यात्री का बस में प्रसव हो गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची बैरसिया थाने की डायल 100 ने प्रसूता और नवजात को सकुशल अस्पताल में भर्ती कराया। पीि?त को त्वरित सेवा मिलने पर परिजन ने डायल 100 सेवा का आभार मानते हुए सराहना की है। जानकारी के अनुसार मंगलवार तड़के करीब तीन बजे राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल 100 को सूचना मिली कि बैरसिया थानांतर्गत ग्राम बरखेड़ा मौजी के पास एक महिला बस यात्री का प्रसव हुआ है। प्रसूता महिला एवं नवजात बच्चे को अस्पताल पहुंचाने के लिए पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना मिलते ही बैरसिया थाना क्षेत्र की डायल 100 को मदद के लिए मौके पर रवाना किया गया है।

नाबालिग को कमरे में बंद कर किया बलात्कार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर में नाबालिग से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी ने नाबालिग को घर बुलाया और कमरे में बंद कर उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपी दो महीने तक नाबालिग को डरा-धमकाकर उसका शोषण करता रहा। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि करीब 2 महीने पहले वह घर अकेली थी। तभी बस्ती में रहने वाला कुलदीप उसके घर आया और उसे अपने घर ले गया जहां दुष्कर्म किया।

चूनाभट्टी में कर्नल के सूने मकान से चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

चूनाभट्टी स्थित एक कर्नल के सूने मकान का ताला तोड़कर चोर हजारों का सामान चोरी कर ले गए। घटना की रिपोर्ट कर्नल के रिश्तेदार ने दर्ज कराई है। परिजन के आने पर ही पता चल सकेगा कि बदमाश घर से कितना सामान चोरी करके ले गए हैं। पुलिस के अनुसार दीपक तिवारी (60) दूरदर्शन विभाग के रिटायर्ड अधिकारी हैं और सी-सेक्टर सर्वधर्म कोलार रोड पर रहते हैं। यशोदा विहार कालोनी चूनाभट्टी में रहने वाले उनके भांजे संजय रावत सेना में कर्नल हैं और फिलहाल उत्तर प्रदेश में पदस्थ हैं।

घर पर उनकी पत्नी रहती थी, जो पिछले दिनों पति के पास उत्तर प्रदेश चली गई थी। बगीचे की देखरेख के लिए उन्होंने बाउंड्री वाले गेट की चाबी माली को दी थी। सोमवार सुबह करीब आठ बजे माली घर पहुंचा तो मकान के गेट के ताला टूटा मिला। इसकी सूचना उसने मकान मालिक को दी, जिन्होंने अपने मामा दीपक तिवारी को बताया। तिवारी ने घर जाकर देखा तो पूरा सामान बिखरा पड़ा था। पुलिस ने दीपक तिवारी की रिपोर्ट पर अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। बदमाश कितना सामान चोरी करके ले गए हैं, इसका खुलासा मकान मालिक के लौटने पर हो सकेगा।

चार स्थानों पर आबकारी टीम ने की कार्रवाई

ठेकेदारों की मिलीभगत से होटल-रेस्टॉरेंट में अवैध शराब और बीयर की सप्लाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर के होटल, रेस्टोरेंट और ग्रामीण इलाकों में संचालित परचून दुकानों पर भी शराब और बीयर उपलब्ध कराई जा रही है। आबकारी विभाग की जांच में तथ्यों की पुष्टि होने के बाद संदिग्ध दुकानों, होटल रेस्टोरेंट की जांच की गई जिसके बाद बड़े पैमाने पर देसी एवं विदेशी शराब की बोतल एवं बियर का स्टॉक बरामद किया गया है। सहायक आबकारी आयुक्त दीपम रायचुरा के निर्देश पर यह कार्रवाई आबकारी कंट्रोल रूम प्रभारी रामगोपाल भदोरिया की चार टीम ने की है। यह कार्रवाई बंगरसिया, करौंद, गांधीनगर, रातीबड़ इलाके में चलने वाले होटल, रिजॉर्ट, रेस्टोरेंट और किराना दुकानों पर की गई है। जांच में पता चला कि आबकारी विभाग से अधिकृत शराब ठेकेदार से सांठगांठ कर कई होटल रेस्टोरेंट संचालक अवैध तरीके से देसी विदेशी शराब एवं बियर का स्टॉक अपने पास रखे हुए थे। इन्हें ग्राहकों द्वारा डिमांड करने पर महंगे दाम पर उपलब्ध कराया जाता था। मौके से विदेशी शराब की तीन पेटी सहित देसी शराब के पांच पेटी क्वार्टर एवं बियर के 200 से ज्यादा कैन बरामद किए गए हैं। रंगे हाथ पकड़े जाने पर होटल रेस्टोरेंट संचालक दिनेश कुमार, बबलू चंदेल, सोहन प्रसाद, सांकल सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

नशे की आदत डाल नाबालिग से करवाया जा रहा था अपराध

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गोविंदपुरा पुलिस ने बीएनएस कानून के तहत दर्ज मामले को चार दिन में सुलझा लिया है। नाबालिग को नशे की लत डालकर अपराध कराने वाले व्यक्ति के खिलाफ भी पहली कार्रवाई करते हुए जेजे एक्ट के तहत एफआइआर दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि सत्येन्द्र सिंह (55) ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 3 जुलाई को घर से सोने-चांदी के गहने सहित करीब 3 लाख रुपए का सामान चोरी हो गया है। पुलिस को संदेही का एक वीडियो फुटेज मिला। हुलिए के आधार पर पता चला कि यह अपराध, नाबालिग ने किया है। किशोर ने काउंसिलिंग में बताया कि उसे नशा देकर अपराध करवाया जाता है।

नवविवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नजर पड़ते ही पति ने कराया था अस्पताल में भर्ती, मौत

गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित टू ए साकेत नगर में मंगलवार सुबह एक महिला ने फांसी लगा ली। नजर पड़ते ही पति उसे फंदे से उतारकर एम्स अस्पताल लेकर पहुंचा था, वहां रात करीब 11 बजे के आसपास डॉक्टर ने महिला को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि मामला नव विवाहिता से जुड़ा होने के कारण मर्ग डायरी एसीपी गोविंदपुरा को सौंपी जाएगी। पुलिस के अनुसार पूजा थापड़ पति निखिल दुबे (34) श्री ए साकेत, गोविंदपुरा में रहतीड़थी। पति ने निखिल दुबे ने पुलिस को बताया कि मंगलवार सुबह करीब 9 बजे के आसपास उसने अपने कमरे में दुपट्टे का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। नजर पड़ते ही निखिल उसे फंदे से उतारकर पास ही स्थित एम्स लेकर पहुंचाड़था। एम्स में उसका इलाज चल रहा था और रात करीब 11 बजे के आसपास डॉक्टर ने पूजा को मृत घोषित कर दिया। पुलिस को प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि पूजा और निखिल की शादी दो साल पहले हुई थी। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है।

युवक ने फांसी लगा कर की आत्महत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित पंचशील नगर में एक युवक ने फांसी लगा लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। एएसआई चंद्रभान गुर्जर ने बताया कि दिलीप तपकाले पिता देवीदास (28) पंचशील नगर, में रहता था और प्राइवेट काम करता था। बीती रात करीब सवा 12 बजे के आसपास उसने फांसी लगा ली। नजर पड़ते ही परिजन उसे फंदे से उतारकर अस्पताल ले गए थे। वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित करते हुए पुलिस को सूचना दी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दिलीप का शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगा रही है।

आरसी कार्ड रिन्यू कराने के नाम पर एक लाख 56 हजार की ठगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हबीबगंज क्षेत्र निवासी एक महिला से आरसी कार्ड रिन्यू कराने के नाम पर 1 लाख 56 हजार 756 रुपए की ठगी की गई है। पीड़िता ने साइबर क्राइम ब्रांच में शिकायत कही है। पुलिस ने बताया कि बीडीए कॉलोनी शिवाजी नगर में निवासी सुनीता गर्ग को आरसी कार्ड रिन्यू कराना था। उन्होंने 14 फरवरी को कस्टमर केयर से पूछताछ की, तो उन्हें अव्वल ऐप डाउनलोड करके कार्ड रिन्यू कराने की सलाह दी गई। ऐप डाउनलोड करने के बाद जालसाज ने उन्हें 18500 डायल करने को कहा। नंबर डायल करते ही खाते से पैसे कट गए पर मैसेज नहीं आया। इस पर जालसाज ने उन्हें दूसरे खाते से वही नंबर डायल करने को कहा। पीड़िता द्वारा नंबर डायल करते ही एक बार में 98200 और दूसरी बार 40 हजार रुपए कट गए।

मेट्रो एंकर नरेला जोड़ से कुछ दूरी पर स्कूल के सामने हादसा

दुर्घटना: सड़क पार कर रहे युवक को बाइक सवार ने मारी टक्कर, मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो। अयोध्या नगर थाना क्षेत्र स्थित नरेला जोड़ से कुछ दूरी पर क्वीन मेरी स्कूल के सामने मुख्य बायपास पर अज्ञात बाइक सवार ने सड़क पार कर रहे युवक को टक्कर मार दी। हादसा बीती रात करीब सवा 12 बजे के आसपास का है। बाइक से टककर लगने के कारण उसे गंभीर चोट आई थी। उसे पीपुल्स अस्पताल ले जाया गया, वहां आज सुबह उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है।

पुलिस टक्कर मारने वाले बाइक सवार का पता लगा रही है। पुलिस के अनुसार जितेंद्र पिता अशोक लोधी (20) ऋशर बस्ती, शंकर खदान, अयोध्या नगर में रहता था और प्राइवेट काम करता था। मंगलवार देर रात वह नरेला जोड़ होता हुआ पैदल अपने घर की तरफ जा रहा था। नरेला जोड़ से थोड़े आगे मुख्य बायपास पर क्वीन मेरी स्कूल के पास वह दौड़कर सड़क पार कर रहा था। तभी बायपास से गुजर रही तेज रफ्तार बाइक के चालक ने लापरवाहीपूर्वक बाइक चलाते हुए उसे टक्कर मार दी। टक्कर लगने से जितेंद्र सड़क पर गिर गया था, जबकि बाइक सवार भी गिरा था। सड़क पर गिरे बाइक सवार ने बाइक उठाई और भाग निकला। इधर, गंभीर रूप से घायल जितेंद्र को एंबुलेंस पीपुल्स अस्पताल लेकर पहुंची थी। वहां इलाज के दौरान तड़के करीब पौने तीन बजे उसकी मौत हो गई।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022